सुविचार

पैर का कांटा निकलने के बाद चलने में जो मज़ा आता है, वही मज़ा मन से अहंकार निकलने के बाद जीवन जीने में आता है।

प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

श्रीलंका में टीम इंडिया का गदर, सुदर्शन के शतक के बाद जुरेल-सारांश ने मचाई तबाही...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 184 | दिनांक : रविवार, 05 जुलाई 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज़

शोपियां के सैदपोरा इलाके में मुठभेड़

दो आतंकियों के फंसे होने की आशंका

जम्मू (ब्यूरो)- दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के सैदपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार इलाके में दो आतंकियों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया था। अधिकारियों के अनुसार यह अभियान 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), 14 बटालियन सीआरपीएफ, एसओजी और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाया जा रहा है। पूरे इलाके को घेर लिया गया है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। इस दौरान कुछ फायरिंग की आवाजें भी सुनी गई हैं, जिन्हें सुरक्षाबलों की सतर्कता के तहत की गई कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि आधिकारिक रूप से किसी मुठभेड़ या हताहत की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी जारी है और इलाके में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी गई है।

20 जुलाई से संसद का मॉनसून सत्र

13 अगस्त तक चलेगी सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली (ब्यूरो)- संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। यह 13 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसका ऐलान किया। आमतौर पर, मॉनसून सत्र में 20 बैठकें होती हैं और ये चार हफ्ते तक चलते हैं। लेकिन पहले भी छोटे सत्र होते रहे हैं। यह मॉनसून सत्र पश्चिम बंगाल और असम, केरल समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद हो रहा है। इन चुनावों के नतीजों का असर भी सदन में देखने को मिल सकता है। किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद के दोनों सदनों को मॉनसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई, 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त, 2026 तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

TMC और शिवसेना में बगावत का दिखेगा असर

मॉनसून सत्र में TMC और शिवसेना (UBT) में हुई बगावत का असर भी देखने को मिलेगा। TMC के 20 और शिवसेना (UBT) के 6 सांसदों की अलग गुट के तौर पर मान्यता की मांग पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के फैसले का इंतजार है। इसके अलावा राज्यसभा में, नए चुने गए और दोबारा चुने गए सांसदों के शपथ लेने के बाद, राजनीतिक समीकरण और भी ज्यादा सत्ताधारी NDA के पक्ष में हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का बड़ा कदम

23 आतंकियों को UAPA के तहत घोषित किया आतंकी

» प्रथम न्यूज़ । नई दिल्ली

04 जुलाई (एएम नाथ)

पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए गृह मंत्रालय ने वहां मौजूद 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। यह कार्रवाई क्क्के तहत की गई। सरकार के आदेश के अनुसार, ये लोग जैश-ए-मोहम्मद (JeM) और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) और अन्य संगठनों से जुड़े हैं।

इन पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए लोगों को भर्ती करने, घुसपैठ, ट्रेनिंग, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने और हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। इन 23 लोगों में से तीन लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं। तीन लोग कथित तौर पर नगरोटा में सेना के कैंप पर 2016 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे और दो लोग कथित तौर पर सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर 2018 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे।

गृह मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में सईद के करीबी साथियों के तौर पर अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार की पहचान की है।

दस्तावेज में कहा गया है, 54 साल के राणा इफ्तिखार जिहाद-विरोधी संगठनों के बीच तालमेल बिठाता है, युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाता है और हाफिज सईद का करीबी साथी है।

इसमें आगे बताया गया, 52 साल का अब्दुल रऊफ लश्कर और जमात-उद-दावा से जुड़ा है। वह आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने और उनमें तालमेल बिठाने तथा फंड इकट्ठा करने के काम में शामिल है। वह हाफिज सईद की सीधी कमान में लश्कर के मुख्य आतंकवादियों में से एक है।

इसमें आगे कहा गया है, 51 साल का हाफिज खालिद वलीद, हाफिज सईद की सुरक्षा में रहकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से काम करता है और कई आतंकवादी घटनाओं का मास्टरमाइंड है।

80 आतंकवादियों की लिस्ट

शनिवार को पाकिस्तान में रहने वाले 23 आतंकवादियों को सूची में जोड़ा गया, जिनमें जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हुए हमलों में शामिल लोग भी शामिल हैं। इसके साथ ही सूची में शामिल आतंकवादियों की कुल संख्या 80 हो गई है। केंद्र सरकार ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक उर्फ डॉक्टर, मुफ्ती मुहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद, हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जट को सूची में शामिल किया है। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कय्यूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ उर्फ हाफिज अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वलीद, मौलाना सैफुल्ला खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ तैबी, ओवैस फारूक, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार, मोहम्मद शाहिद फैसल (जो अल-कायदा और ISIS से भी जुड़ा है) को भी सूची में शामिल किया गया है।

एनआईए को मिलेगी ताकत

सूची में आतंकवादियों के नाम शामिल होने से नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) को उनके फंड को रोकने, हथियारों की बिक्री पर रोक लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने की शक्ति मिलेगी। 2019 में आतंकवाद-रोधी कानून में संशोधन करके व्यक्तिगत आतंकवादियों को भी सूची में शामिल करने का प्रावधान किया गया था। संशोधन से पहले केवल समूहों को ही आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता था।

बलूचिस्तान में कोस्ट गार्ड कैंप पर फिदायीन हमला, 30 से अधिक जवानों के मारे जाने का दावा

ग्वादर के जिवानी क्षेत्र में बड़ा धमाका, हमले की जिम्मेदारी BLA ने ली

» प्रथम न्यूज़ । बलूचिस्तान (पाकिस्तान)

04 जुलाई (एजेंसी)

बलूचिस्तान के ग्वादर जिले के जिवानी क्षेत्र में स्थित पाकिस्तान कोस्ट गार्ड कैंप पर हुए बड़े फिदायीन हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन Baloch Liberation Army (बीएलए) ने ली है। संगठन ने दावा किया है कि इस हमले में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के 30 से अधिक जवान मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि पाकिस्तान सरकार और सैन्य अधिकारियों की ओर से अभी तक हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार शाम को बीएलए की मजीद ब्रिगेड से जुड़े एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरे ट्रक को जिवानी के पनवान क्षेत्र स्थित कोस्ट गार्ड कैंप में घुसा दिया। इसके बाद हुए भीषण विस्फोट से कैंप का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बीएलए ने दावा किया कि धमाके के तुरंत बाद उसके फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने कैंप पर चारों ओर से हमला बोल दिया और सुरक्षा बलों के साथ नजदीकी मुठभेड़ हुई। संगठन का कहना है कि संयुक्त कार्रवाई में 30 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि घायलों की संख्या भी काफी अधिक है। बीएलए ने चेतावनी दी है कि बलूचिस्तान की आजादी के अपने लक्ष्य तक वह सुरक्षा बलों के खिलाफ अभियान जारी रखेगा। दूसरी ओर, पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से घटना को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

हिमाचल मंत्रिमंडल विस्तार पर जल्द फैसला संभव

16-17 जुलाई को धर्मशाला में होगी अहम बैठक

» प्रथम न्यूज़ । नई दिल्ली

04 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि इस मुद्दे पर जल्द निर्णय लिया जा सकता है। पार्टी की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल ने बताया कि 16 और 17 जुलाई को धर्मशाला में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी, जिसमें मंत्रिमंडल विस्तार सहित कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

शिमला स्थित राजीव भवन में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पहली आम बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने कहा कि बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल भी शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और आगामी रणनीति तैयार करना है। किन्नौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में निगम भंडारी की नियुक्ति को लेकर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की कथित नाराजगी के सवाल पर पाटिल ने कहा कि वह स्वयं मंत्री से बातचीत करेंगी और यदि कोई गलतफहमी है तो दोनों पक्षों से चर्चा कर उसे दूर किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का निर्णय ही अंतिम माना जाएगा।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गबन मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में रजनी पाटिल ने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करती है। हालांकि, मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री के साथ होने वाली बैठकों के बाद ही सामने आएगा।

पंचकूला में डबल मर्डर से सनसनी, जीजा-साले की लाशें मिलीं

बेटे की छठी की खुशियां मातम में बदलीं, विवाद के बाद दो लोगों की मौत, लव मैरिज विवाद से जुड़ रहा मामला, पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी

» प्रथम न्यूज़ । पंचकूला

04 जुलाई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ से सटे पंचकूला के सेक्टर-19 में शनिवार देर रात हुए डबल मर्डर से इलाके में सनसनी फैल गई। एक ही परिवार से जुड़े जीजा और साले की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान सेक्टर-19 निवासी संजीत और उसके जीजा अर्जुन के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार संजीत के घर बेटे के जन्म के उपलक्ष्य में छठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें अर्जुन भी शामिल हुआ था। कार्यक्रम

के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ समय बाद संजीत का शव सेक्टर-19 के फाटक के पास मिला। परिजनों ने प्रारंभिक तौर पर अर्जुन पर संजीत की हत्या का संदेह जताया। हालांकि करीब दो घंटे बाद अर्जुन का शव भी घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर खून से लथपथ हालत में बरामद होने से मामले ने नया मोड़ ले लिया। पुलिस जांच में लव मैरिज का एंगल भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि अर्जुन ने कुछ महीने पहले संजीत की बहन से प्रेम विवाह किया था, जिससे परिवार में नाराजगी थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि विवाद बढ़ने के बाद दोनों के बीच खूनी संघर्ष हुआ हो। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है।

डीसीपी अमरिंदर सिंह, एसीपी समेत क्राइम ब्रांच और डिटेक्टिव स्टाफ की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

बड़े-बड़े देश मुसीबत में आए, पर भारत नहीं

पीएम मोदी बोले, तेल संकट में दिखा हमारा जलवा

» प्रथम न्यूज़ । नई दिल्ली

04 जुलाई (ब्यूरो)

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। हर देश त्रस्त है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को पैदा किया। बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं, लेकिन सबसे बड़े संकट पर नए भारत की इच्छाशक्ति और प्रयास भारी पड़े हैं। भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए। संकट का समय रहते सही आकलन किया और प्रभावी रणनीति बनाई। भारत के संसाधनों का संतुलित प्रयोग किया। भारत की डिप्लोमैटिक पावर का सकारात्मक इस्तेमाल किया। तब जाकर भारत इस संकट से उबर पाया।

जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थीं, तब किस स्केल पर दिन-रात काम हो रहा था, किस तरह स्थिति को संभाला जा रहा था। वह मेहनत, प्रयास और धैर्य इतिहास में लिखी जाएगी।

इस दौरान पीएम मोदी ने संकट के बीच अफवाह फैलाने वालों को भी निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने कहा कि जिन लोगों के इरादे गलत थे, वे सफल नहीं हुए।

उन्होंने कहा कि दूर-सुदूर इलाकों में सप्लाई की थोड़ी समस्या हुई, लेकिन कहीं कोई किल्लत पैदा नहीं होने दी गई। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच ही तेल कंपनियों को डीजल और पेट्रोल में करीब 75000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।

इतनी रकम में एक नई रिफाइनरी बन जाए, लेकिन इस घाटे को पूरा करने की जिम्मेदारी सरकारी खजाने से उठाई गई। हमने प्रति लीटर 10 रुपये की एक्साइज ड्यूटी भी कम की और बहुत ज्यादा बोझ जनता पर नहीं पड़ने दिया गया।

स्पेन में दबोचा गया कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों

विदेश से भारत में चलाता था गैंग, कभी लॉरेंस का था करीबी

» प्रथम न्यूज़ । चंडीगढ़

04 जुलाई (एएम नाथ)

भारतीय खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। स्पेन की सुरक्षा एजेंसियों ने मैड्रिड शहर से गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों को हिरासत में लिया है। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने यह इनपुट दिया था। जिसके बाद स्पेन में यह बड़ी कार्रवाई हुई है। सूत्रों के मुताबिक गोल्डी ढिल्लों 13 जून 2026 को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार मेडिकल हॉल के कैशियर जानकी दास की हत्या की साजिश में शामिल था। वह इस घटना का मास्टरमाइंड था। वह विदेश में बैठकर पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर समेत कुछ और राज्यों में अपना आपराधिक नेटवर्क संचालित करता था। लेकिन स्पेन में हुई इस कार्रवाई के बाद अब उसे जल्द ही भारत लाया जा सकता है।

भारत लाने की होगी तैयारी

स्पेन में गोल्डी ढिल्लों की गिरफ्तारी के बाद अब इस बात की संभावना बढ़ गई है कि उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा। चंडीगढ़ पुलिस भी उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जानकी दास की हत्या से जुड़े मामले में पूछताछ कर सकती है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की तरफ से उस पर 10 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से गोल्डी ढिल्लों की तलाश में जुटी थी। वह मूल रूप से पंजाब के राजपुरा का रहने वाला है। जो पहले मारपीट, धमकी और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहा है। फिर जबरन वसूली और गैंगों में उसका नाम आने लगा। जिसमें अवैध हथियार भी शामिल थे। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों 2022 में भारत छोड़कर विदेश फरार हो गया था। इसके बाद ही उसने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर समेत कुछ और राज्यों में अपना नेटवर्क मजबूत किया था। 13 जून 2026 को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 में मेडिकल हॉल के कैशियर जानकी दास की हत्या हुई थी। जिसकी जिम्मेदारी गोल्डी ढिल्लों ने ली थी। इसके बाद से ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसकी तलाश और तेज कर दी थी। वह विदेश से ही कई कारोबारियों से फोन पर रंगदारी मांग रहा था। जांच एजेंसियों के अनुसार, कनाडा में हुई कई फायरिंग की घटनाओं में भी गोल्डी ढिल्लों का नाम सामने आया था। सूत्रों के मुताबिक पंजाब पुलिस लंबे समय से विदेश में मौजूद गोल्डी ढिल्लों की गिरफ्तारी के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ बातचीत कर रही थी।

संक्षिप्त न्यूज

संत कबीर कॉलेज जीरा के बी.कॉम के छात्रों के परिणाम उत्कृष्ट रहे

जीरा, 4 जुलाई (अंग्रेज बराड़) – संत कबीर कॉलेज जीरा के छात्रों ने जगत गुरु नानक देव ओपन यूनिवर्सिटी की बी.कॉम परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं। कॉलेज के छात्रों की इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रिंस, जैस्मीन कौर और जगसीर सिंह ने क्रमश: 82त्न, 80त्न और 78त्न अंक प्राप्त करके कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों की इस सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम बताया है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री गुरचरण सिंह, प्रधानाध्यापिका डॉ. वीरपाल कौर, निदेशक श्री सुखदेव सिंह और समन्वयक प्रो. सुरेखा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की समर्पित सेवा और अभिभावकों के सहयोग का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा और कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इसी बीच, कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों, श्री स्वर्ण सिंह, हरमनदीप सिंह, परमिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, रमनदीप कौर, सिमरनजीत कौर, जसप्रीत कौर, पलकप्रीत कौर, रोमनप्रीत कौर और राजविंदर कौर ने भी छात्रों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भिखीविंड से करनबीर सिंह बुर्ज ने शुरू की जन आशीर्वाद यात्रा, भगवान परशुराम ब्राह्मण सभा तरन तारन ने किया सम्मानित

अमृतसर (साहिब दयाल) विधानसभा तरन तारन से कांग्रेस पार्टी के हल्का इंचार्ज करनबीर सिंह बुर्ज ने भिखीविंड से अपनी शुरू की जन आशीर्वाद यात्रा के तहत आशीर्वाद लेने अपनी टीम के साथ भगवान परशुराम ब्राह्मण सभा, जिला तरनतारन के हेड ऑफिस गली हरनाम सिंह वाली, खालसा पुर रोड, तरनतारन का दौरा किया। बैठक शुरू होने से पहले, सभा के अध्यक्ष शक्ति शर्मा रिटायर्ड गणित लेक्चरर/ज्योतिषी धुंदेवाले ने वहां मौजूद सदस्यों का परिचय करनबीर सिंह बुर्ज से कराया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ब्राह्मण सभा, जिला तरनतारन के सदस्यों को कांग्रेस पार्टी की नीतियों के बारे में बताया जाएगा और उनसे अनुरोध किया जाएगा कि वे चुनाव प्रचार के लिए तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के हर ब्राह्मण परिवार के घर जाएं। बैठक के दौरान, बुर्ज ने सभा के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि वे हर तरह से और हर समय इस सभा का समर्थन करते रहेंगे। कार्यक्रम के आखिर में, वहां मौजूद सदस्यों ने बुर्ज साहिब को सम्मानित किया। बैठक में सभा के चेयरमैन चरणजीत शर्मा कैरों, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हरविंदर जोशी, वाइस प्रेसिडेंट बलदेव राज शर्मा, नौशेरा पन्नुआं ब्लॉक अध्यक्ष विजय जोशी, जनरल सेक्रेटरी आकाश जोशी, ए-वन ट्रैवल्स के सेक्रेटरी टेक चंद पुंज नूरपुर, संरक्षक राज कुमार भारद्वाज (रिटायर्ड हेड टीचर), विजय कुमार पुंज (रिटायर्ड हिंदी टीचर), राम गोपाल जोशी, कांग्रेस महिला नेता मैडम अनीता वर्मा, बाऊ बसंत लाल (ट्रांसपोर्ट), सुखवंत सिंह लूथरा (ट्रांसपोर्ट), बख्शीश सिंह जवंदा (रिटायर्ड कॉमर्स लेक्चरर) वगैरह के अलावा कई अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

जालंधर में पंजाब युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम शर्मा का भव्य स्वागत, रामामंडी चौक पर कार्यकर्ताओं ने दिखाया उत्साह

» प्रथम न्यूज । जालंधर
04 जुलाई (ब्यूरो)

पंजाब युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शुभम शर्मा की शुक्राना यात्रा के तहत जालंधर पहुंचने पर रामामंडी चौक में उनका भव्य स्वागत किया गया। युवा कांग्रेस नेता हनी जोशी और रणदीप लक्की संधू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और फूल-मालाएं पहनाकर तथा पुष्प वर्षा कर शुभम शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस के समर्थन में जोरदार नारे लगे और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

अपने संबोधन में पंजाब युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम शर्मा ने कहा कि पंजाब में युवा कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और युवाओं की आवाज़ को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास को वह पूरी ईमानदारी से निभाएंगे और प्रदेशभर में संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के लिए काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पंजाब युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष करनवीर ढिल्लों भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ परमवीर धड़ेकटवाल, सौरव उप्पल, हरमीत मान, सुखा शेरगिल, हिमत सांघा, दविंदर बिलगा, रविंदर लड्डी, हनी शमपुर, रणजीत रंधावा, राघव जैन, लक्ष्य कपिला, गुड्डू, सुमनप्रीत सिंह, शुभम चलाना, मनवीर सांघा, साजन अरोड़ा, सत ब्राम और रविंदर चक स्कूर सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान नेताओं ने संगठन की मजबूती, युवाओं की भागीदारी और आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस का लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ना और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार और जनता के सामने उठाना है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि पंजाब युवा कांग्रेस के नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा आने वाले समय में प्रदेशभर में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का अभियान तेज किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने महिलाओं को मासिक भत्ता देने का आखिरी वादा भी किया पूरा : अजय कुमार चौहान

होशियारपुर, (तरसेम दीवाना) – आम आदमी पार्टी (AAP) द्वारा वार्ड नंबर 26 से चुनाव मैदान में उतारे गए उम्मीदवार अजय कुमार चौहान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए पंजाब सरकार की उपलब्धियों और इलाके में मिल रहे भारी समर्थन के बारे में अहम खुलासे किए। अजय चौहान ने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य की जनता से किए अपने सभी वादे पूर्ण रूप से निभाए हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अजय कुमार चौहान ने विशेष रूप से जिक्र किया कि सरकार का एक आखिरी बड़ा वादा भी अब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आम महिलाओं को 1000 रुपये और एससी महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने उनके खातों में डालने का जो वादा किया था, वह अब पूरा कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले से जनता में खुशी की लहर है। उम्मीदवार चौहान ने बताया कि सरकार की जन-हितैषी नीतियों के कारण आज वार्ड नंबर 26 के वोटर और सपोर्टर आम आदमी पार्टी को दिल से प्यार कर रहे हैं। इलाके के लोग विकास कार्यों से बेहद संतुष्ट हैं और आज होने वाले चुनावों में झाड़ू के निशान पर वोट डालकर आम आदमी पार्टी को बड़ी जीत दिलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अंत में कहा कि वार्ड नंबर 26 का सर्वांगीण विकास करवाना और लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

पंजाब में शुरू हुआ 'घर घर सोलर' अभियान, एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा रूफटॉप सोलर

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
04 जुलाई (जगमीत घुम्मन)

पंजाब में स्वच्छ एवं आत्मनिर्भर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में टाटा पावर सोलरूफ ने अपने प्रमुख 'घर घर सोलर' अभियान की शुरुआत की है। इस अवसर पर कंपनी ने अत्याधुनिक बैटरी स्टोरेज समाधान भी पेश किए, जिनका उद्देश्य राज्यभर में आवासीय उपभोक्ताओं, व्यवसायों और कृषि क्षेत्र को विश्वसनीय, किफायती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

कंपनी के अनुसार यह अभियान पंजाब की तेजी से बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसके माध्यम से ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और उपयोग को एकीकृत करने वाला स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। आधुनिक तकनीक, आसान वित्तीय सहायता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के जरिए शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा दिया जाएगा।

टाटा पावर के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा कि 'घर घर सोलर' अभियान केवल सोलर पैनल लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक ऊर्जा समाधान है, जिसमें रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज और आसान फाइनेंसिंग सुविधाओं को एक साथ जोड़ा गया है। इससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन, भंडारण और उपयोग अधिक आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि बिजली की बढ़ती मांग, पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा लंबे समय तक बिजली खर्च में कमी लाने की आवश्यकता के कारण पंजाब में रूफटॉप सोलर की मांग लगातार बढ़ रही है। राज्य की मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ती आवासीय जरूरतें और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदम इसे वितरित नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनाते हैं।

कंपनी ने अगले तीन वर्षों के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करते हुए कहा कि वह पंजाब में एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं तक रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने की सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे राज्य में 500 मेगावाट-पीक (रूङ्ख्न) से अधिक रूफटॉप सोलर क्षमता विकसित होने की उम्मीद है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को नई गति मिलेगी।

यह पहल भारत सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के अनुरूप भी है। इस योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं को 1 किलोवाट सोलर सिस्टम पर 30,000, 2 किलोवाट पर 60,000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सिस्टम पर 78,000 तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। इससे आम लोगों के लिए सोलर ऊर्जा अपनाना पहले की तुलना में अधिक किफायती और सुविधाजनक बन गया है।

टाटा पावर सोलरूफ ने बताया कि 'घर घर सोलर' अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन और योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक उपभोक्ता कंपनी की हेल्पलाइन 1800-257-7777 पर संपर्क कर सकते हैं।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अमरपाल सिंह ने आत्म पब्लिक स्कूल का किया दौरा

स्कूल प्रबंधन ने किया विशेष तौर पर सम्मानित।

अमृतसर (साहिब दयाल) पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अमरपाल सिंह ने इस्लामाबाद में स्थित आत्म पब्लिक स्कूल का दौरा किया। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता तुर, श्री दीप देविंदर सिंह और श्री दविंदर सिंह भी पहुंचे। स्कूल पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन द्वारा उनका हार्दिक स्वागत किया गया। स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से अतिथियों का स्वागत कर समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने भ्रमण के दौरान डॉ. अमरपाल सिंह ने स्कूल के अद्वितीय 'पंज-आब संग्रहालय' का अवलोकन किया। यह संग्रहालय स्कूल के संस्थापक स्वर्गीय श्री देव दर्द जी की दूरदर्शी सोच एवं सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर डॉ. अमरपाल सिंह ने स्कूल प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि आत्म पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंध निदेशक श्री प्रतीक सहदेव, प्रिंसिपल श्रीमति अंकिता सहदेव, सचिव श्री मोहित सहदेव, श्रीमति कोमल सहदेव, उप-प्रिंसिपल श्री सुभाष चंद्र, तथा वरिष्ठ शिक्षकों सुश्री परमजीत, सुश्री तृप्ता, श्री नवदीप, सुश्री किरण ज्योति, सुश्री मीनाक्षी मिश्रा एवं सुश्री शम्मी सहित समस्त स्टाफ ने डॉ. अमरपाल सिंह को विशेष तौर पर सम्मानित किया।

भाई गजेंद्र सिंह की याद में आयोजित पंथक समागम के लिए होशियारपुर से जत्था रवाना

सिख पंथ की चढ़ती कला और कौमी जागृति के लिए ऐसे पंथक समागम आयोजित करना बेहद जरूरी है : भाई बलजिंदर सिंह खालसा

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
04 जुलाई (तरसेम दीवाना)

गुरु ग्रंथ साहिब और गुरु पंथ को समर्पित, सिख संप्रभु राज्य की स्थापना के लिए आखिरी सांस तक संघर्षरत रहे भाई गजेंद्र सिंह की मधुर और प्यारी याद में आज अमृतसर के गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी (रणजीत एवेन्यू) में दल खालसा द्वारा एक विशेष पंथक समागम आयोजित किया जा रहा है। इस पंथ, सिद्धांत और संघर्ष समागम में हिस्सा लेने के लिए आज होशियारपुर से दल खालसा के जिला अध्यक्ष बलजिंदर सिंह खालसा के नेतृत्व में सिख संगतों का एक बड़ा जत्था अमृतसर के लिए रवाना हुआ।

बलजिंदर सिंह खालसा ने कहा कि इस पंथक समागम के दौरान कौम (समुदाय) के भविष्य और वर्तमान हालातों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं जैसे कि अकाल तख्त साहिब की संप्रभुता और सर्वोच्चता को बहाल रखना। सिंह साहिबान (जत्थेदारों) की नियुक्ति के लिए एक सुचारू और पारदर्शी नियम-विधान तैयार करना।

भारतीय स्टेट (सरकार) और शासकों द्वारा सिख धर्म के आंतरिक मामलों में किए जा रहे नाजायज दखल का विरोध करना। भाई गजेंद्र सिंह के जीवन, सोच और संघर्ष से प्रेरणा लेना। मौजूदा सिख संघर्ष में आई स्थिरता (ठहराव) के कारणों की पहचान करना और भविष्य की राह तय करना।

जत्थे की रवानगी के समय पत्रकारों से बातचीत करते हुए दल खालसा के जिला अध्यक्ष बलजिंदर सिंह खालसा ने कहा सिख पंथ की चढ़ती कला और कौमी जागृति के लिए ऐसे पंथक समागम आयोजित करना बेहद जरूरी है और इनमें बढ़-चढ़कर पहुंचना हर सिख का कर्तव्य है।

दल खालसा काफी लंबे समय से कौम के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले और शहीदी पाने वाले सिख योद्धाओं के दिवसों पर ऐसे समागम आयोजित करने की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाता आ रहा है। इस मौके पर जत्थे में शामिल सिख नेताओं और संगतों ने भाई गजेंद्र सिंह की सोच पर पहरा देने और पंथक हितों के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर अन्यों के अलावा भाई हरविंदर सिंह हरमोइया, भाई कुलवीर सिंह, भाई चरन सिंह, भाई अजीत सिंह ढिल्लों, भाई हरजीत सिंह सैनी आदि उपस्थित थे।

24 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर भरवाएंगे गणना फॉर्म, 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों पर नए पोलिंग स्टेशन का प्रस्ताव

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
04 जुलाई (संदीप सन्नी)

जिला निर्वाचन अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-2026 (एसआईआर) के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि 25 जून से शुरू हुआ डोर-टू-डोर गणना अभियान 24 जुलाई 2026 तक जारी रहेगा, जिसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक मतदाता के घर जाकर गणना फॉर्म भरवाने का कार्य करेंगे।

बैठक में जिलाधीश ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को सक्रिय करें ताकि वे इस अभियान के दौरान बीएलओ का पूरा सहयोग करें और मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 24 जुलाई तक जिले के सभी पोलिंग स्टेशनों का रेशनलाइजेशन भी पूरा कर लिया जाएगा। जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक होगी, वहां मतदाताओं की सुविधा और सुचारू मतदान व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नए पोलिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव आयोग को भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों या बूथों पर अभी तक बीएलए-1 और बीएलए-2 की नियुक्ति नहीं हुई है, वहां संबंधित राजनीतिक दल शीघ्र नियुक्तियां सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी चुनाव पंजीकरण अधिकारियों एवं जिला चुनाव कार्यालय को उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी अधिकृत एजेंट चुनाव विभाग द्वारा आयोजित बैठकों में नियमित रूप से भाग लें। बैठक के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य उप्पल ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला स्तरीय ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की जून-2026 की त्रैमासिक जांच भी करवाई। इस दौरान वेयरहाउस खोलकर सुरक्षा व्यवस्था, मशीनों की स्थिति, लॉग बुक, एंट्री रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत नियमित रूप से की जाती है ताकि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निर्वाचन आयोग की इस पारदर्शी व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी नियमित जांच और सभी दलों की मौजूदगी में होने वाली प्रक्रियाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करती हैं तथा ईवीएम को लेकर फैलाई जाने वाली भ्रांतियों को दूर करने में भी सहायक सिद्ध होती हैं। बैठक में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जनरल) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों, चुनाव तहसीलदार मनजिंदर सिंह, चुनाव कानूनगो सुनील कुमार, करण सोनी, प्रिंसिपल राकेश गुप्ता सहित कांग्रेस, भाजपा, बसपा, शिरोमणि अकाली दल, आम आदमी पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी में उपलब्ध सुविधाओं, स्कॉलरशिप और कोर्सों की जानकारी के लिए जुलाई में होगी स्कूल मुखियों की विशेष कार्यशाला

तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने किया यूनिवर्सिटी का विशेष दौरा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
04 जुलाई (संदीप सन्नी)

डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर आदित्य उप्पल की रहनुमाई में और जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी)-कम-स्टेट अवार्डी राजेश कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बारहवीं कक्षा में पढ़ रहे और पास आउट हो चुके विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, विभिन्न स्कॉलरशिप योजनाओं, रोजगारोन्मुखी तथा तकनीकी कोर्सों के संबंध में विस्तार से जानकारी मुहैया करवाने के उद्देश्य से जुलाई महीने के दौरान स्कूल प्रमुखों (प्रिंसिपलों और हेडमास्टरों) के लिए एक विशेष सेमिनार/कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस प्रस्तावित सेमिनार की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा द्वारा सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, गुरदासपुर का एक विशेष दौरा किया गया। इस मौके पर उनके साथ जिला रिसोर्स कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार और सहायक काउंसलर हरदीप सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी अधिकारियों के साथ हुई विशेष बैठक; रिपोर्ट सौंपी : दौरे के दौरान पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल रंजीत सिंह, मैकेनिकल विभाग के प्रमुख एवं डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार और यूनिवर्सिटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सेमिनार के आयोजन के लिए यूनिवर्सिटी के कॉन्फ्रेंस हॉल का निरीक्षण भी किया गया। यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों को दी जा रही आधुनिक सुविधाओं, वजीफों, वित्तीय स्कॉलरशिप और विभिन्न रोजगारपरक कोर्सों से संबंधित तैयार की गई एक विस्तृत रिपोर्ट जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा को सौंपी गई।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रशासन की बड़ी पहल : इस अवसर पर जिला गाइडेंस काउंसलर वर्मा ने कहा कि डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर आदित्य उप्पल की कुशल रहनुमाई में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तथा बेहतर करियर मार्गदर्शन के साथ जोड़ने के लिए लगातार सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा स्कूल प्रमुखों के लिए जुलाई महीने में आयोजित होने वाला यह विशेष सेमिनार बारहवीं के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तक उच्च शिक्षा व तकनीकी कोर्सों से संबंधित सही और समय पर सटीक जानकारी पहुँचाने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बच्चों को आगे बढ़ने के सही अवसर मिलेंगे।

संक्षिप्त न्यूज

कांग्रेस की गारंटियां निकलीं खोखली, 28 लाख महिलाएं आज भी 1500 का इंतजार कर रही हैं : बलदेव तोमर

शिमला 04 जुलाई (बी.शर्मा) : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बलदेव तोमर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी आज शिमला दौरे पर हैं, लेकिन प्रदेश की जनता विशेषकर 28 लाख महिलाएं कांग्रेस द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान दी गई 1500 प्रतिमाह की गारंटी का जवाब मांग रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज तक उन्हें पूरा नहीं किया। प्रदेश में केवल झूठे वादों और प्रचार की राजनीति हो रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी कांग्रेस की इस बैठक में उपस्थित हैं। तोमर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने चुनावों के दौरान प्रदेश के युवाओं को 5 लाख स्थायी नौकरियां देने का वादा किया था और कहा था कि आउटसोर्स नहीं बल्कि नियमित रोजगार दिया जाएगा। लेकिन आज प्रदेश का युवा अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में रोजगार देने के दावे पूरी तरह विफल रहे हैं और कांग्रेस सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतरी। बलदेव तोमर ने कहा कि दूसरी ओर पंचायतीराज संस्थाओं में भारतीय जनता पार्टी को लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि जिला परिषद और बीडीसी चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों का लगभग 80 प्रतिशत स्थानों पर कब्जा है। इसके साथ ही प्रदेश के अधिकांश पंचायतों में भी प्रधान और उपप्रधान के रूप में भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी होकर सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने और चुनाव टालने के अनेक प्रयास किए, लेकिन जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा के पक्ष में अपना स्पष्ट जनादेश दिया।

उन्होंने कहा कि यह परिणाम प्रदेश की जनता के कांग्रेस सरकार से मोहभंग और भाजपा की नीतियों एवं संगठन पर बढ़ते विश्वास का प्रमाण हैं।

खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र, बिलासपुर में प्रवेश के लिए ट्रायल 16 व 17 जुलाई को

13 से 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी ले सकेंगे भाग, चयनित खिलाड़ियों को मिलेगी निःशुल्क आवास, भोजन एवं आधुनिक प्रशिक्षण की सुविधा

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- युवा सेवा एवं खेल विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र, बिलासपुर में सत्र 2026-27 के लिए खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार 16 जुलाई, 2026 को लड़कों के लिए एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और जूडो तथा 17 जुलाई, 2026 को लड़कियों के लिए एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और जूडो के ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। सभी ट्रायल प्रातः 8:00 बजे से खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र, लुहणू बिलासपुर में शुरू होंगे।

जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी उतम डोड ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रायल में 13 से 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ी का जन्म 1 जनवरी, 2007 से 1 जनवरी, 2013 के बीच होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया के लिए विभाग ने न्यूनतम शारीरिक मापदंड भी निर्धारित किए हैं। 13 वर्ष आयु वर्ग के लिए न्यूनतम लंबाई 158 सेंटीमीटर तथा वजन 43 किलोग्राम, 14 वर्ष के लिए 164 सेंटीमीटर लंबाई एवं 49 किलोग्राम वजन तथा 15 वर्ष के लिए 165 सेंटीमीटर लंबाई एवं 50 किलोग्राम वजन निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि संबंधित खेलों में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर की सब-जूनियर, जूनियर एवं स्कूली प्रतियोगिताओं के पदक विजेता खिलाड़ियों को न्यूनतम शारीरिक मापदंड पूरे न होने की स्थिति में भी चयन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र में निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, चिकित्सा सुविधा, बीमा, खेल किट, खेल सामग्री तथा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही खिलाड़ियों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें स्थानीय विद्यालय अथवा महाविद्यालय में अपनी नियमित पढ़ाई जारी रखने की सुविधा भी मिलेगी।

युवा सेवा एवं खेल विभाग ने इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ियों से शैक्षणिक, आयु प्रमाणपत्र एवं खेल उपलब्धियों के मूल प्रमाणपत्रों का एक सेट सत्यापित फोटोकापी तथा दो पासपोर्ट फोटो सहित निर्धारित तिथियों पर ट्रायल स्थल पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि टायल में भाग लेने पर किसी प्रकार का यात्रा एवं दैनिक भत्ता नहीं मिलेगा।

विकास और जनसुविधाओं में शून्य, कर्ज लेने में सबसे आगे है सुक्खू सरकार : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । सुन्दरनगर
04 जुलाई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की सुक्खू सरकार विकास और जनसुविधाओं के मामले में पूरी तरह विफल साबित हुई है, लेकिन कर्ज लेने के मामले में नए रिकॉर्ड बना रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने पांच वर्षों तक कर्ज के नाम पर शोर मचाकर प्रदेश की जनता को गुमराह करते रहे, लेकिन सत्ता में आते ही उसी कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने कर्ज को अपना प्रमुख शासन मॉडल बना लिया है। आज प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने वाला है और हर महीने की शुरुआत भारी-भरकम कर्ज लेकर की जा रही है। इसके बावजूद प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं, नई परियोजनाएं नजर नहीं आ रही हैं और जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सिर्फ सुक्खू सरकार ने अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के उतना कर्ज अकेले ले लिया है जितना कि अब तक की सरकारों ने नहीं लिया। अपना कार्यकाल पूरा करते-करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कर्ज लेने के सारे रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हिमाचल प्रदेश को सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, आपदा राहत और अन्य विकास योजनाओं के लिए लगातार उदारतापूर्वक सहयोग दे रही है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और वित्तीय कुप्रबंधन को छिपाने के लिए बार-बार केंद्र पर निराधार आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि लगातार लिया जा रहा हजारों करोड़ रुपये का कर्ज आखिर किस विकास कार्य पर खर्च हो रहा है। क्योंकि यह सरकार तो सिर्फ तालाबंदी की सरकार बनकर रह गईहै। खोज खोज कर पूर्व सरकार द्वारा खोले गए संस्थान बंद करना, पूर्व सरकार की योजनाओं को बदनाम करके उनकी वित्तीय मदद रोकना, लोगों को नौकरियां से निकलना, तरह-तरह की शुल्क लगाना ही सरकार का प्रमुख शगल है। यदि कर्ज बढ़ रहा है, लेकिन न विकास दिखाई दे रहा है और न ही जनता को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं, तो यह सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। जिसका जवाब सरकार को देना होगा।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं के त्याग, तप, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान-2026 के अंतर्गत सुन्दरनगर विधानसभा क्षेत्र के म्याह माता मंदिर में आयोजित संगठनात्मक जिला सुन्दरनगर के अभ्यास वर्ग में भारतीय जनता पार्टी का गौरवशाली इतिहास एवं विकास विषय पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर आज 12 करोड़ से अधिक सदस्यों वाले विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में भाजपा की यात्रा समर्पित कार्यकर्ताओं की निष्ठा और राष्ट्रसेवा के संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के राष्ट्रवादी चिंतन ने भाजपा की वैचारिक नींव को सशक्त बनाया है और यही विचारधारा संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि भाजपा का गौरवशाली इतिहास केवल चुनावी सफलताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय, सेवा, सुशासन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण का इतिहास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी और सुशासन के माध्यम से साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन की वैचारिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार हैं, जो कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, सिद्धांतों और संगठनात्मक परंपराओं से जोड़ते हुए राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण और दायित्वबोध को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा, विधायक विनोद कुमार, विधायक दलीप ठाकुर, प्रदेश सचिव तिलक राज शर्मा, जिला अध्यक्ष हीरालाल सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन विभाग ने 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण का रखा लक्ष्य

» प्रथम न्यूज । शिमला
04 जुलाई (बी.शर्मा)

इस बार के मानसून सीजन में हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने राज्य में 7 से 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 4 हजार हैक्टेयर भूमि पर राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए विभाग ने सभी वन मंडल स्तर पर तैयारियां भी शुरू कर दी है। बताया गया कि राज्य के विभिन्न जिलों की भौगोलिक परिस्थितियों एवं संतुलित जलवायु के मुताबिक चिनार और अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे। विभाग ने वर्ष 2030 तक मिशन-32 यानी राज्य के हरित आवरण को 32 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया है। इसके मद्देनजर इस बार के वन महोत्सव में प्रदेश के सभी जिलों में पौधरोपण अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग ने टारगेट फिक्स किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जाइका वानिकी परियोजना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वन बल प्रमुख डा. संजय सूद ने प्रदेश की जनता से पौधरोपण अभियान में सहयोग करने तथा उनके संरक्षण की अपील भी की। उन्होंने राज्य के सभी वन मंडलाधिकारियों को प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं

राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना और राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना पर बेहतरीन कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस से किया था आगाज

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिमला में चिनार का पौधा रोपकर पौधरोपण अभियान का आगाज किया था। उसके बाद 25 जून को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह सिंधवालिया ने पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। वन बल प्रमुख डा. संजय सूद ने बताया कि प्रदेश के भिन्न-भिन्न स्थानों पर विशेष पौधरोपण अभियान को सफल बनाने के लिए इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे।

जाइका परियोजना ने अब तक 8343 हेक्टेयर भूमि पर रोपे पौधे

जाइका वानिकी परियोजना ने 2018 से लेकर 2025 तक 8343 हेक्टेयर भूमि पर भिन्न-भिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर राज्य के 22 वन मंडलों में हरित क्रांति लोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर वर्ष की भांति इस बार भी वानिकी परियोजना मिशन-32 के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता और विभागीय स्तर पर पौधे रोपने के लिए कार्य करेगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के तहत भी परियोजना ने पिछले साल 124 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपने में सफलता हासिल की।

"इस वर्ष वन महोत्सव के दौरान प्रदेश में 7 से 8 हजार हेक्टेयर पर चिनार सहित अन्य प्रजातियों के 50 लाख से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है। मिशन-32 यानी वर्ष 2030 तक प्रदेश में हरित आवरण में 32 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए वन विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसमें जाइका वानिकी परियोजना भी बेहतरीन कार्य कर रही है। मैं प्रदेश की जनता से आहवान करना चाहता हूं कि इस अभियान में भरपूर सहयोग दें और वन संरक्षण में भी बहुमूल्य योगदान करें।"

स्वर्गीय राजा महेंद्र पाल की जयंती पर कुटलैहड़ में महा-वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

रायपुर मैदान से हुई शुरुआत, दो माह तक सभी पंचायतों में चलेगा अभियान

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
04 जुलाई (जोगिंद्र देव आर्य)

कुटलैहड़ रियासत के स्वर्गीय राजा महेंद्र पाल की 92वीं जयंती के अवसर पर उनकी स्मृति को समर्पित कुटलैहड़ वृक्षारोपण महाभियान -2026 का शुभारंभ ग्राम पंचायत रायपुर मैदान से किया गया। अभियान की अगुवाई उनके पौत्र शिवेंद्र पाल ने की। कार्यक्रम में युवाओं, मातृशक्ति, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अभियान के प्रथम चरण में लगभग 100 पौधे लगाए गए। इनमें शीशम, खैर और सफेदा जैसे इमारती पौधों के साथ-साथ आम, अमरूद, जामुन और आंवला सहित विभिन्न फलदार पौधे शामिल रहे। उपस्थित लोगों ने पौधारोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिवेंद्र पाल ने कहा कि उनके दादा स्वर्गीय राजा महेंद्र पाल का प्रकृति और कुटलैहड़ क्षेत्र से विशेष लगाव था। उनकी जयंती पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी दो महीनों तक लगातार चलेगा और कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत में वृक्षारोपण किया जाएगा।

उन्होंने क्षेत्र की जनता, सामाजिक संगठनों, युवा मंडलों और मातृशक्ति से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट के दौर में अधिक से अधिक पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि आज हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों और युवा मंडल के सदस्यों ने संकल्प लिया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करेंगे और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखेंगे। अभियान की शुरुआत से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश गया है तथा लोगों में इस जनअभियान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

बिलासपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्यामलाल ठाकुर दूसरी बार चुने गए जिला बार संघ के प्रधान

बिलासपुर (धर्मपाल)- बिलासपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम लाल ठाकुर दूसरी बार चुने गए जिला बार संघ के प्रधान !आज अधिवक्ता संघ की वार्षिक जर्नल हाउस की मीटिंग की गयी जिसमें श्याम लाल ठाकुर ओर उनकी पूरी कार्यकारणी की वर्ष भर में किये गए अच्छे कामो की सरहाना की गयी ओर निर्विरोध पूरी कार्यकारिणी को फिर से चुना गया. प्रधान पद पर रहते हुए श्याम लाल ठाकुर ओर उनकी पूरी टीम के प्रयासों से जिला बिलासपुर में अतिरिक्त जिला सत्र न्यायधीश ओर एडिशनल चीफ जुड़िशल मैजिस्ट्रेट की न्यूक्ति की गयी. इसके साथ साथ जिला बार संघ के लिए हाई कोर्ट शिमला के द्वारा बिजली के अलग मीटर वकीलों के बार रूम ओर पुस्तकालय में लगाने के मनमाने आदेश जो जारी किये थे उसका श्याम लाल ठाकुर के नेतृत्व में वकीलों ने विरोध किया ओर उन मनमाने आदेशों को वापिस कराने में सफलता हासिल की.इसके अलावा जिला बार संघ के लिए साल भर में बहुत से सराहनीय कार्य किये गए.

जिला बार संघ बिलासपुर के प्रधान पद पर श्याम लाल ठाकुर.उपाध्यक्ष अमर सिंह. महा सचिव दलजीत संधू. सह सचिव विनोद राणा, प्रेस सचिव पंकज वर्मा,कोषाअध्यक्ष विजय शर्मा (जालप) लेखाकार मदन लाल राणा चुने गए. इस वार्षिक बैठक में उपस्थित अधिवक्ता का श्याम लाल ठाकुर ने धन्यवाद किया और कहा की तमाम वकीलों की समस्यायों का निवारण करने ओर बार व बैंच के रिस्तो में समन्वय बनाकर के कार्य करेंगे.

शीध्र आरम्भ होगा सोलन-सुबाथू मार्ग के सुधारिकरण का कार्य-विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने किया सोलन-सुबाथू मार्ग का निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । सोलन
04 जुलाई (बी.शर्मा)

लोक निर्माण तथा शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह आज सुबाथू पहुंचकर मुख्य जिला सड़क (परवाणू-कसौली-धर्मपुर-सोलन) का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से मिलकर वस्तु स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि शीघ्र ही इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण का कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मौसम एवं अन्य कारणों से इस मार्ग की स्थिति खराब है। इसके मुरम्मत कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा नाबार्ड के तहत 23 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाकर स्वीकृति के लिए भेजी गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही स्वीकृति मिलने के उपरांत सड़क के सुधारीकरण का कार्य आरम्भ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नाबार्ड से 23 करोड़ की राशि स्वीकृत होने तक इस सड़क का सुधारीकरण का कार्य 1 करोड़ 35 लाख रूपये की लागत से विभाग द्वारा करवाया जा रहा है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि वह स्वयं विभिन्न क्षेत्रो में जाकर सड़कों का निरीक्षण कर रहे हैं। सड़कों में यदि कोई कमी पाई जाती है तो उसे संबन्धित अधिकारियों को दुरूस्त करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ रूपये की राशि से धर्मपुर सुबाथू मार्ग का सुधारीकरण का कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि सोलन ज़िला में गत साढ़े तीन वर्षों में सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण पर लगभग 227 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोलन ज़िला में 12 नए पुल निर्मित किए गए और 11 पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस पर लगभग 40 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं। ज़िला सोलन में गत वर्षों में 70.51 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण किया गया। वर्तमान में सोलन ज़िला में सड़कों की कुल लम्बाई 3350 किलोमीटर है। इसी तरह गत वर्षों में सोलन जिला में लगभग 278 किलोमीटर सड़कों की मेटलिग व टारिंग, लगभग 135 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण तथा 450 किलोमीटर सड़कों के किनारे नालियों का निर्माण किया गया है।

इस अवसर पर हि.प्र. कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष कर्नल संजय शांडिल, जिला परिषद सदस्य अमित ठाकुर, ग्राम पंचायत तोप-की-बेड़ की प्रधान मन्जू गौड़, उप-प्रधान भूपेन्द्र ठाकुर, ग्राम पंचायत चेवा के प्रधान रमेश चौहान, जल प्रबन्धन बोर्ड के सदस्य सुरेन्द्र सेठी, प्रदेश कांग्रेस समिति के महा सचिव रमेश ठाकुर, कांग्रेस पार्टी के शोभित बहल, सक्षम, संधीरा शीनू सिंह, विश्व कर्मी समाज कल्याण बोर्ड के सदस्य मदन हिमाचली, लोक निर्माण विभाग हि.प्र. के प्रमुख अभियंता एन.पी. सिंह, नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता कापटा, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अधीक्षण अभियंता अरविंद शर्मा, अधिशाषी अभियंता रवि कपूर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित थे।

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानाकलां में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
04 जुलाई (जोगिंद्र देव आर्य)

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानाकलां में शनिवार को विद्यालय की स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए आम बैठक का आयोजन प्रधानाचार्य संजीव पराशर की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से जितेंद्र सिंह को स्कूल प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही समिति के अन्य सदस्यों का चयन भी सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत थानाकलां के प्रधान राजपाल शर्मा, ग्राम पंचायत ककराना की प्रधान मधुबाला, छपरोह कला के उपप्रधान सुशील कुमार, वार्ड सदस्य सरोज एवं सविता ठाकुर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक में राजेश शर्मा, नोबिता, गुलजारी लाल, ओंकार सिंह, शैलजा, सोनू, राजकुमार, वंदना, कमलेश, सुषमा देवी, कंचन देवी, सुभाष चंद्र, रजनी देवी, महेंद्र सिंह, रोमिता, बबली, धर्मेंद्र, जोनी सहित बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य संजीव पराशर ने नवगठित एसएमसी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के हित में विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने सभी सदस्यों से विद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।

दिवंगत अग्निवीर प्रशांत ठाकुर के परिवार को पीएनबी रक्षक योजना के तहत मिला 1 करोड़ का डेथ इंश्योरेंस क्लेम

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
04 जुलाई (धर्मपाल)

पंजाब रेजिमेंट में अग्निवीर के रूप में सेवाएं दे चुके दिवंगत राइफलमैन प्रशांत ठाकुर के परिवार को पंजाब नेशनल बैंक की पीएनबी रक्षक योजना के तहत 1 करोड़ का डेथ इंश्योरेंस क्लेम प्रदान किया गया। यह आर्थिक सहायता ऐसे कठिन समय में परिवार के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के पेंटरेड गांव निवासी प्रशांत ठाकुर की दिसंबर 2025 में एक सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई थी। उनका वेतन खाता पंजाब नेशनल बैंक की बरमाणा शाखा में संचालित था, जिसके माध्यम से वे पीएनबी रक्षक योजना के अंतर्गत बीमित थे। बरमाणा स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सोलन सर्कल हेड राजीव कुमार पंकज ने दिवंगत अग्निवीर की माता अंबिका देवी और बड़े भाई निशांत ठाकुर को 1 करोड़ के डेथ इंश्योरेंस क्लेम का चेक सौंपा। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि पीएनबी रक्षक योजना के तहत सेना, नौसेना, वायुसेना, अर्धसैनिक बलों सहित विभिन्न सुरक्षा बलों के जवानों को उनके वेतन खाते के माध्यम से बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। चेक प्राप्त करते समय भावुक हुई माता अंबिका देवी ने कहा कि कोई भी राशि उनके बेटे की कमी पूरी नहीं कर सकती, लेकिन इस कठिन समय में मिली यह आर्थिक सहायता परिवार के लिए एक बड़ा सहारा है। वहीं पीएनबी बिलासपुर के मुख्य प्रबंधक देवेंदु गौरव ने कहा कि देश की सेवा करते हुए किसी बहादुर जवान की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन बैंक की यह पहल शोक संतप्त परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि पीएनबी रक्षक योजना सुरक्षा बलों के जवानों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योजना है।

आज का

संपादकीय

ईमानदारी कभी नहीं हारी !

आदर्श भारती

ईमानदारी कभी नहीं हारी है यह अटल सत्य है! ईमानदार व्यक्ति परेशान हो सकता है लेकिन हार नहीं सकता कहते हैं की धरती पर दो ही चीजें कभी नहीं सूखतीं नदी का जल और ईमानदार का मन। नदी सूख जाए तो बरसात फिर भर देती है। पर ईमानदार का मन एक बार सूख जाए, तो सारी दुनिया का जल भी उसे हरा नहीं कर पाता ।ईमानदारी की जड़ हरी क्यों रहती है क्योंकि उसकी जड़ मिट्टी में नहीं, विवेक में होती है। बेईमान का पेड़ भले आज फलों से लदा दिखे, पर उसकी जड़ झूठ, फरेब और लालच में होती है। वह जड़ खोखली होती है। एक झोंका आता है और सारा वृक्ष चरमराकर गिर पड़ता है।ईमानदार का पेड़ धीरे बढ़ता है। न उसकी छाया घनी होती है, न फल मीठे लगते हैं बाजार को। पर जब आँधी आती है, तो वही पेड़ खड़ा रहता है। क्योंकि उसकी जड़ें सत्य की गहराई तक गई होती हैं। सत्य सड़ता नहीं, सूखता नहीं, बिकता नहीं। इसलिए कहा गया – ईमानदारी की जड़ सदैव हरी रहती है।

ईमानदारों से बेईमानी मत कीजिये

यह केवल नैतिक आग्रह नहीं, यह एक व्यावहारिक चेतावनी है। ईमानदार व्यक्ति के पास दो ही पूँजी होती है उसका शब्द और उसकी निष्ठा। आप उसका धन छीन सकते हैं, उसका पद छीन सकते हैं, पर यदि आपने उसकी ईमानदारी पर चोट की, तो आपने उसके अस्तित्व पर चोट की। बेईमान को धोखा दो तो वह हिसाब-किताब लेकर लौटेगा। पर ईमानदार को धोखा दो तो वह हिसाब नहीं रखता। वह चुप हो जाता है। और जिस दिन ईमानदार चुप हो गया, समझ लीजिए उस समाज का आईना टूट गया। अब जो भी दिखेगा, वह धुंधला और झूठा दिखेगा ।आज का समय आज ईमानदारी को 'बेवकूफी' कहा जाता है। ईमानदार को 'सीधा' कहकर किनारे कर दिया जाता है। मीटिंग में वही जीतेगा जो फाइल घुमा सके, सच बोलने वाला तो मिनट दो मिनट में 'नेगेटिव' घोषित हो जाता है। पर देखिए जिन संस्थाओं ने, जिन लोगों ने ईमानदारों को धोखा दिया, वे आज इतिहास के कूड़ेदान में हैं। उनका नाम रह गया तो केवल चेतावनी के लिए। क्योंकि ईमानदारी का हिसाब देर से होता है, पर होता जरूर है। वह हिसाब कोर्ट में नहीं, समय के कोर्ट में होता है। और समय का फैसला अपील के योग्य नहीं होता

ईमानदार से बेईमानी मत कीजिये, क्योंकि आप केवल एक व्यक्ति को नहीं हरा रहे। आप उस विश्वास को मार रहे हैं जिस पर समाज टिका है। पेड़ गिर जाए तो दूसरा लगा सकते हैं। पर यदि विश्वास की जड़ सूख गई, तो हरे पत्ते कितने भी लगा लो, वे मुरझा जाएंगे। ईमानदार के साथ खड़े रहिए। वह आपको धन नहीं देगा, पर वह आपको नींद देगा। वह आपको पद नहीं देगा, पर वह आपको आत्म-सम्मान देगा ।और अंत में याद रखिए बेईमानी से बना महल एक झटके में गिरता है। पर ईमानदारी से बनी झोपड़ी भी सदियों तक खड़ी रहती है, क्योंकि उसकी जड़ हरी होती है।

मानव जीवन एक ही बार मिलता है

आधुनिक मानव दिखावा करता है लेकिन जीवन के एक पल का भरोसा नहीं है द्य आदमी दानव बनता जा रहा है हर तरफ लूट मची हुई है द्यमानव जीवन की सच्ची सफलता धन, पद और बाहरी चमक-दमक से नहीं मापी जाती। असली मापदंड यह है कि व्यक्ति भीतर से कितना शुद्ध, ईमानदार और ऊँचा सोचने वाला है। हमारे संतों, महापुरुषों और चिंतकों ने इसी सत्य को समझकर कहा है कि सादा जीवन उच्च विचार ही मानव जीवन का आधार है। यह केवल कहने की बात नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण पद्धति है। सादगी बाहरी जीवन को संतुलित रखती है और उच्च विचार भीतर की आत्मा को दिशा देते हैं। जब दोनों का मेल होता है तभी मनुष्य सच्चे अर्थों में मनुष्य कहलाता है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

सादा जीवन का अर्थ गरीबी या अभाव नहीं है। इसका अर्थ है अनावश्यक इच्छाओं पर नियंत्रण रखना, दिखावे से दूर रहना और अपनी जरूरतों को सीमित रखना।

जो व्यक्ति कम में संतुष्ट रहना सीख जाता है वही वास्तव में धनवान है। सादा जीवन मन को शांत और स्थिर रखता है। जब घर में सजावट सीमित हो, भोजन में सादगी हो, पहनावे में दिखावा न हो, तो मन इधर-उधर नहीं भटकता। समय, ऊर्जा और धन व्यर्थ की चीजों में नष्ट नहीं होते। महात्मा गांधी इसका सबसे बड़ा उदाहरण थे। वे खादी पहनते थे, जमीन पर सोते थे और सादा भोजन करते थे। लेकिन उनके विचार इतने ऊँचे थे कि पूरी दुनिया ने उनके सामने सिर झुकाया। आज के समय में उपभोक्तावाद ने लोगों को वस्तुओं का गुलाम बना दिया है। नया फोन, बड़ी गाड़ी, ब्रांडेड कपड़े इनके पीछे भागते-भागते व्यक्ति अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है। सादा जीवन इस दौड़ से बाहर निकालकर व्यक्ति को अपने अंदर झाँकने का अवसर देता है।

उच्च विचार का अर्थ सोच का दायरा बड़ा होना है। स्वार्थ, ईर्ष्या, घृणा और छोटे-छोटे फायदे की सोच से ऊपर उठकर समाज, देश और मानवता के बारे में सोचना ही उच्च विचार है। उच्च विचार वाला व्यक्ति दूसरों की मदद में सुख पाता है। वह सच बोलता है, मेहनत पर भरोसा करता है और कठिनाइयों में भी धैर्य नहीं खोता। स्वामी विवेकानंद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, मदर टेरेसा जैसे लोगों का जीवन सादा था, पर उनके विचार इतने ऊँचे थे कि उन्होंने लाखों लोगों को प्रेरणा दी।

उच्च विचार के बिना सादगी भी निष्प्राण हो जाती है। कोई व्यक्ति जंगल में जाकर सादा रह सकता है, लेकिन यदि उसकी सोच संकीर्ण है तो वह समाज के लिए अनुपयोगी रहता है। उच्च विचार ही सादगी को अर्थ और दिशा देते हैं।

सादा जीवन और उच्च विचार एक-दूसरे के पूरक हैं। सादा जीवन बाहरी अनुशासन देता है और उच्च विचार आंतरिक बल प्रदान करते हैं। जब जीवन में दिखावा और विलासिता बढ़ जाती है तो मन भौतिक चीजों में उलझ जाता है।

ऊँची सोच के लिए मन का खाली और शांत होना जरूरी है। जैसे साफ दर्पण में ही स्पष्ट प्रतिबिंब दिखता है, वैसे ही सादा जीवन में ही उच्च विचार पनपते हैं। दूसरी ओर केवल सादा रहकर भी यदि व्यक्ति की सोच छोटी रहे तो वह जीवन का उद्देश्य नहीं समझ पाता। इसलिए दोनों का संतुलन जरूरी है। यही संतुलन मनुष्य को लोभ, क्रोध और मोह से बचाता है और उसे सच्चे सुख की ओर ले जाता है।

आज का युग प्रतिस्पर्धा, तनाव और मानसिक अशांति का युग है।

सोशल मीडिया ने दिखावे को बढ़ावा दिया है। लोग जो नहीं हैं वह दिखाने की कोशिश में लगे हैं। इसका परिणाम कर्ज, अवसाद और रिश्तों में दरार के रूप में सामने आता है। ऐसे समय में सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है।

विद्यार्थी के लिए इसका अर्थ है मोबाइल और सोशल मीडिया का सीमित उपयोग और पढ़ाई व कौशल पर ध्यान देना।

गृहस्थ के लिए इसका अर्थ है परिवार के साथ समय बिताना, अनावश्यक खर्च रोकना और बच्चों को नैतिक शिक्षा देना। नेता और अधिकारी के लिए इसका अर्थ है सादगी से रहना और जनसेवा को सर्वोपरि रखना। जो देश और समाज इस सिद्धांत को अपनाते हैं वे स्थायी प्रगति करते हैं। जापान और फिनलैंड जैसे देश इसका उदाहरण हैं जहाँ सादगी और शिक्षा को सर्वोच्च स्थान मिला है। इस मार्ग पर चलना कठिन नहीं है, बस संकल्प और अभ्यास चाहिए। जरूरत और इच्छा में अंतर समझना जरूरी है। जो वास्तव में जरूरी है वही अपनाना चाहिए। समय का सदुपयोग करना भी महत्वपूर्ण है।

मोबाइल और टीवी पर बिताए समय को पढ़ाई, व्यायाम या परिवार के साथ बिताया जाए तो जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। सेवा का भाव अपनाने से सोच का दायरा बढ़ता है। सप्ताह में कुछ समय समाज के लिए देना व्यक्ति को अपने से बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। अच्छी किताबें पढ़ना भी मन को ऊँचा उठाता है। महापुरुषों की जीवनी और नैतिक साहित्य सोच को दिशा देते हैं। सबसे बड़ी बात संतोष का अभ्यास है। जो मिला है उसके लिए कृतज्ञ रहना सीखने से असंतोष और अशांति दूर होती है।

जो व्यक्ति इस सिद्धांत को अपनाता है उसे जीवन में अनेक लाभ मिलते हैं। मानसिक शांति बढ़ती है और तनाव कम होता है। खर्च कम होने से आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है। अहंकार घटने से रिश्ते मधुर होते हैं। समाज में सम्मान बढ़ता है क्योंकि लोग सच्चाई और सेवा को पहचानते हैं। सबसे बड़ा लाभ आत्म-संतुष्टि है, क्योंकि व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य स्पष्ट दिखने लगता है।

सादा जीवन उच्च विचार केवल एक आदर्श वाक्य नहीं है, यह जीवन को सार्थक बनाने का सूत्र है। भौतिक सुख क्षणिक होते हैं, लेकिन ऊँचे विचार और सादा जीवन व्यक्ति को स्थायी सुख देते हैं। अगर हर व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ी सादगी और थोड़ी ऊँची सोच लाए तो न केवल उसका अपना जीवन बदलेगा बल्कि समाज और देश भी बदलेंगे। यही मानवता का सच्चा आधार है। बाहर से जितने सरल रहोगे भीतर से उतने ही मजबूत बनोगे। और भीतर जितने ऊँचे सोचोगे बाहर का जीवन उतना ही सुंदर बनेगा।

यह सिद्धांत आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सदियों पहले था। जीवन की भागदौड़ में जब मन थक जाए, तब यह याद रखना चाहिए कि शांति और सम्मान बाहर की चीजों में नहीं, भीतर की सादगी और ऊँची सोच में बसते हैं।

आतंकियों की सूची : आतंकवाद के खिलाफ भारत का सख्त संदेश

केंद्र सरकार द्वारा गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 23 आतंकियों को प्रतिबंधित घोषित करना आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति का स्पष्ट संकेत है। यह कदम केवल कुछ व्यक्तियों को सूचीबद्ध करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से भारत ने आतंकवाद को संरक्षण देने वाले तंत्र और उसके समर्थकों को भी कड़ा संदेश दिया है कि देश की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- यूएपीए के तहत 23 नए आतंकियों को प्रतिबंधित घोषित किया गया।
- प्रतिबंधित आतंकियों की कुल संख्या बढ़कर 80 हुई।
- सूचीबद्ध आतंकी जैश, लश्कर, टीआरएफ और जमात-उद-दावा से जुड़े हैं।
- कई आतंकी भारत में हमलों और घुसपैठ की साजिशों में शामिल रहे हैं।
- पाकिस्तान को आतंकवाद पर कार्रवाई का स्पष्ट संदेश।
- अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की भूमिका उजागर करने का प्रयास।
- भारत की आतंकवाद विरोधी नीति को मिली मजबूती।
- सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर सरकार का सख्त रुख।

एएम नाथ

सरकार द्वारा सूचीबद्ध किए गए आतंकियों पर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने, घुसपैठ कराने, हथियार और विस्फोटक भेजने तथा आतंकवादी साजिशों में शामिल रहने के गंभीर आरोप हैं। इनमें से कई आतंकी लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं और विभिन्न आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इन संगठनों में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, द रेजिस्टेंस फ्रंट तथा जमात-उद-दावा जैसे प्रतिबंधित संगठन शामिल हैं, जिनका नाम कई बड़े आतंकी हमलों में सामने आता रहा है।

इस कार्रवाई के साथ ही यूएपीए के तहत प्रतिबंधित आतंकियों की कुल संख्या 80 तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है कि भारत आतंकवाद के नेटवर्क की पहचान करने और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार ने इन आतंकियों के ठिकानों और गतिविधियों की जानकारी सार्वजनिक कर यह भी स्पष्ट किया है कि भारत आतंकवादी गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है। पाकिस्तान लंबे समय से अपनी धरती पर आतंकियों की मौजूदगी से इनकार करता रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार उसके दावों की पोल खुल चुकी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अन्य क्षेत्रों से आने वाली रिपोर्टें भी इस बात की पुष्टि करती हैं कि वहां आतंकी संगठनों को संरक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रही हैं। ऐसे में भारत का यह कदम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने भी पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा सकता है।

यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पाकिस्तान सिंधु जल संधि के मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहा है। भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते। यदि पाकिस्तान वास्तव में दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी धरती पर सक्रिय भारत विरोधी आतंकी ढांचे को समाप्त करना होगा।

भारत की सुरक्षा नीति अब केवल आतंकी घटनाओं के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद के पूरे नेटवर्क को निशाना बनाने पर केंद्रित है। यही कारण है कि सरकार आतंकियों की पहचान, उनकी आर्थिक गतिविधियों पर रोक और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई को लगातार मजबूत कर रही है। यह रणनीति न केवल देश की सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली शक्तियों को भी स्पष्ट संदेश देती है।

हालांकि केवल प्रतिबंधित सूची जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार सक्रिय रहकर उन देशों और संगठनों पर दबाव बनाना होगा जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आतंकवाद को समर्थन देते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों में भी भारत को अपने प्रयास जारी रखने होंगे ताकि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

कुल मिलाकर, 23 आतंकियों को यूएपीए के तहत प्रतिबंधित घोषित करने का निर्णय भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कदम आतंकवाद के खिलाफ देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह संदेश देता है कि भारत अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है।

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग : पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद मंदिरों में मिलने वाले दान और उसके उपयोग को लेकर चर्चा तेज हो गई है। करोड़ों श्रद्धालु श्रद्धा और विश्वास के साथ मंदिरों में दान देते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित होना चाहिए कि चढ़ावे की राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ हो। देश के कई बड़े मंदिरों को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का दान प्राप्त होता है, लेकिन अनेक स्थानों पर यह स्पष्ट नहीं होता कि इस राशि का कितना हिस्सा किस कार्य में खर्च किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मंदिरों में नियमित ऑडिट, डिजिटल रिकॉर्ड और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण की व्यवस्था होनी चाहिए। चढ़ावे की राशि का उपयोग मंदिरों के रखरखाव के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्मार्थ कार्यों, संस्कृत संरक्षण और समाज कल्याण योजनाओं में भी किया जाना चाहिए। पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास मजबूत होगा और धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

पुनित महाजन
चंडीगढ़

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित चोरी का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा विषय भी है। जिस धनराशि को भक्त भगवान के चरणों में श्रद्धा और समर्पण के भाव से अर्पित करते हैं, उसके दुरुपयोग या हेराफेरी की कोई भी घटना धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। इसलिए इस मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच जितनी आवश्यक है, उतना ही जरूरी मंदिरों में प्राप्त दान और चढ़ावे के उपयोग को लेकर स्पष्ट एवं पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना भी है। राम मंदिर देश की करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। वर्षों के संघर्ष और प्रतीक्षा के बाद बने इस मंदिर में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और उदारतापूर्वक दान भी दे रहे हैं। स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी राशि के प्रबंधन के लिए मजबूत प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था की आवश्यकता होती है। यदि कहीं भी निगरानी में कमी रहती है, तो भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मंदिर ट्रस्टों को आधुनिक वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता के उच्च मानकों को अपनाना चाहिए।

देश के अनेक बड़े मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का चढ़ावा प्राप्त होता है। कुछ मंदिर ट्रस्ट शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्मशाला निर्माण, अन्नक्षेत्र और सामाजिक सेवा के अनेक कार्यों में इस धन का उपयोग करते हैं। वहीं कुछ स्थानों पर यह स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं होती कि प्राप्त राशि का कितना हिस्सा किस कार्य में खर्च किया गया। ऐसी स्थिति में समय-समय पर सवाल उठना स्वाभाविक है। श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है।

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग केवल धार्मिक अनुष्ठानों और मंदिर रखरखाव तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसका एक बड़ा हिस्सा समाजोपयोगी कार्यों में लगाया जा सकता है। शिक्षा, संस्कृत और भारतीय संस्कृति के संरक्षण, गरीब विद्यार्थियों की सहायता, अस्पतालों के संचालन, गौशालाओं, वृद्धाश्रमों और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में मंदिर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे धार्मिक संस्थाओं की सामाजिक भूमिका भी मजबूत होगी और श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि मंदिरों के संचालन के लिए एक स्पष्ट आचार संहिता और वित्तीय दिशानिर्देश तैयार किए जाएं। नियमित ऑडिट, वार्षिक आय-व्यय रिपोर्ट का सार्वजनिक प्रकाशन, डिजिटल भुगतान व्यवस्था और स्वतंत्र निगरानी तंत्र जैसी व्यवस्थाएं पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकती हैं। आधुनिक तकनीक के माध्यम से दान की प्रत्येक राशि का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकता है और उसके उपयोग की जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न मंदिरों के प्रशासन और सरकारी हस्तक्षेप को लेकर भी है। देश में कई मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं, जबकि अन्य धार्मिक समुदायों के पूजा स्थलों का संचालन उनके अपने संगठन करते हैं। इस विषय पर लंबे समय से बहस जारी है। चाहे मंदिरों का संचालन सरकार के अधीन हो या स्वतंत्र ट्रस्टों के माध्यम से, प्राथमिकता पारदर्शिता, जवाबदेही और श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा को मिलनी चाहिए। राम मंदिर की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल श्रद्धा पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत प्रबंधन व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। यदि मंदिरों के दान का उपयोग स्पष्ट नियमों और निगरानी के तहत किया जाए तो न केवल भ्रष्टाचार और हेराफेरी की संभावना कम होगी, बल्कि धार्मिक संस्थाएं समाज निर्माण में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

अंततः मंदिरों का चढ़ावा समाज की आस्था की अमूल्य निधि है।

इसका उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जनहित की भावना के साथ होना चाहिए। यही श्रद्धालुओं के विश्वास का सम्मान और धर्म की वास्तविक सेवा होगी।

जीवन और सीखना

रंजीत कौर बाजवा

जीवन का सार हर पल, हर घंटे, हर मोड़ पर होने वाले सुखद और अप्रिय अनुभवों से कुछ न कुछ सीखना है। कहा जाता है कि जीवन सीखने का नाम है और सीखना ही जीवन है। यह भी कहा जाता है कि सीखने की इच्छा कभी किसी को बूढ़ा नहीं होने देती। जिस प्रकार सीखने की कोई उम्र नहीं होती, उसी प्रकार जीवन के अनुभवों की भी कोई सीमा या मानक नहीं होता। जीवन के अनुभव किसी बंद कमरे या कक्षा में नहीं सीखे जाते, बल्कि वे हमारे जीवन के वास्तविक आधार स्तंभ हैं। ये वे घटनाएँ हैं जो हम अपने व्यवहार और दूसरों के हमारे प्रति व्यवहार से सीखते हैं। मनुष्य सीखने के लिए जन्म लेता है और जीवन भर सीखता रहता है। ये सभी सबक उसे परिस्थितियों के अनुसार प्राप्त अनुभवों का परिणाम हैं।

बेशक, किताबों के अध्ययन से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है; इसका प्रशिक्षण काल स्कूली जीवन से शुरू होकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक चलता है, जब तक कि व्यक्ति विभिन्न विषयों और कौशलों, प्रमाण पत्रों और डिग्रियों को प्राप्त नहीं कर लेता। लेकिन जीवन की डिग्री के लिए, व्यक्ति का सच्चा और वास्तविक साथी उसके अनुभव होते हैं। अनुभव हमें एक सच्चे, मेहनती और समर्पित शिक्षक की तरह रास्ता दिखाते हैं। आम घरों में, बड़ों का अनुभव ही हमें गलतियों से बचाता है या उन्हें समझाता है, जो हमें गलत रास्ते पर चलने से पहले ही रोक देता है। उस समय, उनकी डांट हमें बुरा जरूर लगती है, लेकिन समय के साथ, अनुभव ही जीतता है।

आत्मविश्वास हमें अनुभवों से भी प्राप्त होता है। अनुभव एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति आत्मविश्वासी, दृढ़ निश्चयी और सफल बनता है। अनुभव के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पारिवारिक संबंध और मित्र हमें सकारात्मक अनुभव देकर हमारे जीवन को बेहतर बनाते हैं। अनुभव के बिना, चाहे कोई व्यवसायी, डॉक्टर, इंजीनियर या शिक्षक कितना भी सक्षम क्यों न हो, वह सफल नहीं हो सकता। अनुभवों की एक विशेषता यह है कि बुरे अनुभव भी हमें बहुत कुछ अच्छा सिखाते हैं। ये ही हमारे जीवन के सच्चे शिक्षक हैं। कहा जाता है कि अनुभव वह चाबी है जिससे हर ताला खोला जा सकता है। अनुभव से हम जीवन की कठिनाइयों का डटकर सामना कर पाते हैं। दिन-रात के अनुभव से हम परिवर्तन के नियम में दृढ़ विश्वास विकसित करते हैं। कि कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता, चाहे सुख हो या दुख, सब कुछ स्थायी नहीं है।

यह अंधकारमय रात दुख की है, जिसके बारे में अब कुछ भी कहना व्यर्थ है!!

यह रोशनी सुबह होने तक स्थिर नहीं रहने वाली है!!!

जीवन के अनुभवों से वास्तविकताओं को स्वीकार करने से व्यक्ति बहुत कुछ सीखता है और सीखता रहता है। जैसे-जैसे सीखने की प्यास बढ़ती है, उसका जीवन सुधरता और समृद्ध होता जाता है। इसी स्वभाव के कारण वह पर्वत की ऊँचाइयों को छूने में सफल होता है। सीखने की इच्छा से ही ऊँचाइयों तक पहुँचा जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि जीवन सीखना है और सीखना ही जीवन है। यह अनुभव वह पूंजी है जो हमेशा उसके साथ रहती है, जिसका उपयोग जीवन को सफल बनाने के लिए हर उपयुक्त अवसर पर किया जा सकता है।

(पंजाबी शिक्षिका), सरकारी माध्यमिक विद्यालय, कैंप बॉयज़, बटाला

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN / 2010/36540

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लखी शाह बंजारा जी की जयंती पर किया श्रद्धापूर्वक नमन

चंडीगढ़, 4 जुलाई (मुकेश डोलिया) – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुभक्ति, अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रसेवा के प्रतीक बाबा लखी शाह बंजारा जी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लखी शाह बंजारा जी का जीवन भारतीय संस्कृति, गुरुभक्ति, साहस और निस्वार्थ सेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने धर्म, मानवता और सत्य की रक्षा के लिए जो अद्वितीय साहस एवं समर्पण का परिचय दिया, वह सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय इतिहास सदैव बाबा लखी शाह बंजारा जी के अतुलनीय पराक्रम, त्याग और समर्पण का साक्षी रहेगा। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अदम्य वीरता और अटूट आस्था का परिचय दिया, जो भारतीय समाज के लिए अमूल्य विरासत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लखी शाह बंजारा जी का प्रेरक व्यक्तित्व हमें सत्य, धर्म और सेवा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। उनके जीवन के आदर्श समाज में सद्भाव, साहस, सेवा और मानवता की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करते रहेंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से बाबा लखी शाह बंजारा जी के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

गांव भानपुरा में महिला व लड़कियों पर हमला करके चोटे मारने के मामले में 3 अन्य आरोपी गिरफ्तार

कैथल (कृष्ण गर्ग) : कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले आरोपियों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। ऐसे ही गांव भानपुरा में महिला व लड़कियों पर हमला करके चोटे मारने के मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल 2 महिला आरोपियों सहित आरीप देवर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। थाना सदर एसएचओ एसआई कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 जुलाई को गांव भानपुरा निवासी महिला रेखा की एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें उसके द्वारा उसके पति, देवर, देवरानी व सास पर उसके व उसकी बेटियों पर लाठी डंडे से हमला करके चोटे मारने के आरोप लगाए गए थे। जिस घटना की एक विडियो भी सामने आई थी। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा तुरंत थाना सदर पुलिस को कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। थाना सदर में मामला दर्ज करके एसआई बलराज सिंह की टीम द्वारा जांच दौरान आरोपी गांव भानपुरा निवासी शिकायतकर्ता की सास शांति व देवरानी मुकेश तथा देवर बलविंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि आरोपी महिला के पति आरोपी रामचंद्र को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

कुरुक्षेत्र जिले में 15 मंदिर में वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

144 से अधिक बुजुर्ग लाभान्वित

कुरुक्षेत्र 4 जुलाई (बृज मोहन) जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने कहा कि आयुष हरियाणा, व जिला प्रशासन के तत्वाधान में जिले के 15 मंदिरों में वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आयुर्वेदिक दवाएं वितरित की गईं और योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आयुष विभाग द्वारा कलाल माजरा, बारवा, खरकाली, चनार्थल, लोहार माजरा, ज्योतिसर ,मूर्तिजापुर, स्यौंसड़, सरसा, दबखेडा, उमरी और बनी में आयोजित किए गए शिविरों का शुभारंभ स्थानीय सरपंचों, पंचों व गणमान्य व्यक्तियों ने किया। कलाल माजरा में सरपंच सोहन लाल, बारवा में सरपंच गुरबक्श सैनी, सरसा में पूर्व सरपंच बलकार सिंह और दबखेडा में सरपंच जसविंदर कौर मुख्य अतिथि रहीं। बारवा में सरपंच द्वारा पौधरोपण भी किया गया और उन्हें पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में कुल 144 से अधिक वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सरसा में सर्वाधिक 31, खरकाली में 29 और चनार्थल में 22 बुजुर्गों की जांच हुई। गांव दबखेडा में विशेष रूप से ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की गई। सभी केंद्रों पर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों द्वारा रोग जांच कर निशुल्क दवाइयां दी गईं।

उन्होंने कहा कि इन शिविरों को सफल बनाने में डॉ संतोष, डॉ सपना, डॉ प्रगति भूटानी, डॉ पूजा मंढाण, डॉ प्रणव सिंह, डॉ मीना, डॉ मोनिका, डॉ रितु, डॉ जागीर , डॉ रीना,डॉ राजीव , डॉ महिपाल सहित सभी फार्मासिस्ट और योग सहायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ मंजू शर्मा ने बताया कि आयुष पद्धति से बुजुर्गों को स्वस्थ रखना विभाग की प्राथमिकता है।

सीए देश की आर्थिक मजबूती के प्रमुख स्तंभ, विकसित भारत के निर्माण में निभाएंगे अहम भूमिका - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में सीए छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन 'प्रज्ञान 2026' का किया शुभारंभ

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आज देश में हर महीने रिकॉर्ड जी.एस.टी. कलेक्शन हो रहा है जो देश की बढ़ती हुई आर्थिक ताकत का प्रतीक है। इस टैक्स व्यवस्था को मजबूत बनाने में चार्टेड अकाउंटेंट्स (सीए) का बड़ा योगदान है। इंस्टीच्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेटस ऑफ़ इंडिया द्वारा पंचकूला में सैंटर आफ एक्सिलेंस स्थापित करने के लिए 5 एकड भूमि की मांग पर मुख्यमंत्री ने सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंचकूला स्थित इंद्रधनुष आडिटोरियम में सीए छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन ''प्रज्ञान 2026'' को मुख्यअतिथि के रूप में संबोंधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

सीए छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में सीए का योगदान महत्वपूर्ण है। विकसित भारत की जो आर्थिक इमारत खड़ी होगी, उसका नक्शा और उसका ब्लूप्रिंट आप युवा साथी ही तैयार करेंगे। प्रधानमंत्री की एक प्रेरणादायक बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी ने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा था कि एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के हस्ताक्षर देश के प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर से भी ज्यादा शक्तिशाली होते हैं। यह आपकी कलम, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को दिया गया देश का सबसे बड़ा सम्मान है। सरकारें नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम बना सकती है लेकिन, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के हस्ताक्षर से पूरी अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा तय होती है।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का विषय प्रज्ञान यश का पथ हमें सिखाता है कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन और निरंतर सीखते रहने की भावना से मिलती है।

इस सम्मेलन में देश के जाने-माने वक्ताओं के प्रेरणादायक भाषण, विद्यार्थियों की प्रेजेंटेशन, सार्थक चर्चाएं, नेटवर्किंग के अवसर और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए सी.ए. सिर्फ दो अक्षर हो सकते हैं परंतु सी.ए. की पढ़ाई कोई साधारण कोर्स नहीं है। यह एक कठिन साधना और तपस्या है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सीए छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि उनके सामने आज जो चुनौतियां हैं, उनसे कहीं बड़ी जिम्मेदारी उनकी व्यावसायिक नैतिकता की है। जब वे डिग्री लेकर बाहर निकलेंगे, तो उनके हाथों में देश के भरोसे की चाबी होगी।

उनकी एक सही सलाह और एक ईमानदार रिपोर्ट देश के खजाने को भर सकती है, जिससे सीमा पर खड़े जवान के लिए अच्छे उपकरण आते हैं और देश के गरीब की थाली में राशन पहुंचता है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों का हरियाणा में स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यह वह राज्य है जो देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान देता है। हरियाणा आज नए बिजनेस और स्टार्टअप्स का बड़ा हब बन रहा है। यहां व्यापार को और आसान बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और आप जैसे युवाओं के लिए यहां अवसरों का एक पूरा आसमान खुला हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तकनीक की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी ए.आई. की चर्चा हो रही है। कुछ लोग डराते हैं कि ए.आई. से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। उन्होने कहा कि वे पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि कोई भी ए.आई., कोई भी कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एक इंसान के विवेक, उसके अनुभव और उसकी निर्णय लेने की क्षमता का विकल्प कभी नहीं बन सकता। तकनीक काम को आसान बना सकती है, डेटा को जल्दी प्रोसेस कर सकती है परंतु वह आपकी नैतिकता, आपकी ईमानदारी और आपके मानवीय दृष्टिकोण का विकल्प नहीं हो सकती।

इस अवसर पर चेयरमैन बोर्ड आफ स्टडीज सीए श्री राजेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सीए का अहम योगदान है। इंस्टीच्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेटस आफ इंडिया का उल्लेख करते हुए उन्होने बताया कि इंस्टीच्यूट की देशभर में 185 शाखाएं हैं। विश्व में 154 ओवरसीज चैप्टर और 31 प्रतिनिधि कार्यालय हैं। यह इंस्टीच्यूट 5 लाख 30 हजार सदस्यों और 12 लाख छात्रों के साथ विश्व की सबसे बडी अकाउंटिंग बॉडी है। निकासा चंडीगढ के चैयरमेन श्री संजीव कुमार लखातिया ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और अन्य अतिथिगण का स्वागत किया।

इस अवसर पर वाईस चेयरमेन चंडीगढ ब्रांच सीए श्री रचित गोयल, कार्यक्रम निदेशक सीए श्री हंसराज चुघ, चैयरमेन आईसीएआई चंडीगढ सीए श्री साहिल गर्ग, वाईस चेयरमेन बोर्ड आफ स्टडीज सीए श्री ज्ञानचंद मिश्रा, वाईस चेयरमेन एनआईआरसी सीए श्री अजीत सिंह, सचिव आईसीएआई चंडीगढ सीए श्री साहिल मितल, चंडीगढ बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष श्री संजय टंडन, पंचकूला के मेयर श्री श्याम लाल बंसल, शिवालिक विकास बोर्ड के चैयरमेन श्री ओमप्रकाश देवीनगर, मुख्यमंत्री के राजनीतीक सचिव श्री तरूण भंडारी, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री राकेश संधू, मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय, सीए स्टूडेंटस और इंस्टीच्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेटस आफ इंडिया और निकासा के अन्य प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन हॉर्टिकल्चर विभाग एवं यूनियन ने समाज सेवक एवं पत्रकार पुनीत महाजन को किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (ब्यूरो)

चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन के हॉर्टिकल्चर विभाग एवं हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा आज समाज सेवक, पत्रकार एवं भारतीय एकता मंच (पंजीकृत) के जनरल सेक्रेटरी-कम-कन्वीनर पुनीत महाजन को उनके सामाजिक योगदान और कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हॉर्टिकल्चर विभाग की अधीक्षण अभियंता जिगना सहित यूनियन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने पुनीत महाजन को सम्मानित करते हुए कहा कि वह लंबे समय से विभाग और कर्मचारियों की समस्याओं को प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। पत्रकारिता और मीडिया के माध्यम से उन्होंने कर्मचारियों की मांगों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर उनके समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि पुनीत महाजन को पेड़-पौधों, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण से विशेष लगाव है। वह हॉर्टिकल्चर विभाग से जुड़े कार्यों और कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति हमेशा संवेदनशील रहते हैं तथा समय-समय पर विभाग की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर समाधान कराने में सहयोग करते हैं। उनको कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है सरकारी विभाग और कई संस्थाओं ने उनको सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि एक समाज सेवक और सोशल वर्कर के रूप में पुनीत महाजन जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर सक्रिय भूमिका निभाते हैं। कर्मचारियों को जब भी कोई समस्या आती है, वे उसे आगे लाने और प्रशासन तक पहुंचाने के लिए पुनीत महाजन से संपर्क करते हैं, जो अपनी पत्रकारिता और सामाजिक कार्यों के माध्यम से उनकी आवाज को मजबूती प्रदान करते है।

भारतीय संस्कृतिक ज्ञान, चंडीगढ़ ने शुरू किया 'मोरिंगा वृक्षारोपण अभियान', जीएमसीएच-32 परिसर में लगाए पौधे

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (पुनीत महाजन)

भारतीय संस्कृतिक ज्ञान, चंडीगढ़ के तत्वावधान में आज सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच), सेक्टर-32, चंडीगढ़ के परिसर में सहजन (मोरिंगा) वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का नेतृत्व संस्था के संस्थापक एवं संयोजक अनूप सरीन एवं उनकी समर्पित टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर जीएमसीएच-32 की निदेशक डॉ. रवनीत कौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके सान्निध्य में अस्पताल परिसर में अनेक मोरिंगा के पौधे रोपे गए तथा पर्यावरण संरक्षण और हरित चंडीगढ़ का संदेश दिया गया। डॉ. रवनीत कौर ने भारतीय संस्कृतिक ज्ञान, चंडीगढ़ की सराहना करते हुए कहा कि संस्था अनूप सरीन के नेतृत्व में निरंतर समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा नैतिक मूल्यों के संवर्धन का सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्थापक एवं संयोजक अनूप सरीन ने मोरिंगा वृक्ष के औषधीय, पोषण एवं पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मोरिंगा को चमत्कारी वृक्ष भी कहा जाता है। इसके पत्ते, फल, फूल एवं अन्य भाग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और यह वृक्ष पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इस अवसर पर अनूप सरीन ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक प्रेरणादायक भजन भी प्रस्तुत किया-

नदिया अपना जल नहीं पीती, वृक्ष अपने फल नहीं खाते।

जो कुछ पाया है प्रकृति से, वह सब जग के हित में बाँटते।

इस प्रेरणादायक गीत को उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से गाया और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया।

अनूप सरीन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने घोषणा की कि आज से प्रारंभ हुआ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। आगामी दिनों में भारतीय संस्कृतिक ज्ञान, चंडीगढ़ द्वारा शहर के विभिन्न सेक्टरों, पार्कों, स्कूलों, कॉलेजों, मंदिरों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि वन विभाग के सहयोग से यह अभियान पूरे चंडीगढ़ में चलाया जाएगा। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा हरित एवं स्वच्छ समाज के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्य लेखराज शर्मा, संजीव वर्मा, पायलट सिंह, नरेश गोयल, पुष्पा, योगराज, रमेश बजाज, सौरभ गोयल, भगत सिंह, विश्व गुप्ता, कुलतार सिंह, अनिल मोदगिल और विवेक शर्मा सहित अस्पताल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

कुरुक्षेत्र की चारों विधानसभाओं में एम्यूरेशन फार्मों को डिजिटाइजेशन करने का 54 प्रतिशत कार्य हुआ पूराः विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
04 जुलाई (बृज मोहन)

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की लाडवा,शाहबाद, थानेसर व पिहोवा विधानसभा में एम्यूरेशन फार्मों को डिजिटाइजेशन करने का 54 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। इस कार्य के लिए शाहबाद विधानसभा सबसे आगे रही, इस विधानसभा में 69.42 प्रतिशत डिजिटाइजेशन के कार्य को पूरा किया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने आज यहां बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की चारों विधानसभाओं में लगभग 98 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्मो के वितरण का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें लाडवा विधानसभा क्षेत्र में 99.03 प्रतिशत, शाहबाद में 99.67 प्रतिशत, थानेसर में 96.19 प्रतिशत तथा पिहोवा विधानसभा में 96.23 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्मों को घर घर जाकर लोगों तक पहुंचाया गया है। इस कार्य को पूरा करने के बाद बीएलओ एम्यूरेशन फार्मों को एकत्रित करने के साथ साथ डिजिटाइजेशन करने के लिए विशेष फोकस रखकर कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में जहां 54 प्रतिशत फार्मों का डिजिटाइजेशन हुआ है इनमें लाडवा विधानसभा में 62.12 प्रतिशत, शाहबाद विधानसभा में 69.42 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 37.20 प्रतिशत, पिहोवा विधानसभा में 51.28 प्रतिशत का आंकडा शामिल है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में कुल 7 लाख 83 हजार 831 मतदाताओं को लेकर एसआईआर का कार्य तेज गति के साथ किया जा रहा है।

चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन की जनरल कॉन्फ्रेंस संपन्न, कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (पुनीत महाजन)

आज हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन की जनरल कॉन्फ्रेंस हॉर्टिकल्चर कार्यालय, सेक्टर-23, चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस सम्मेलन में लगभग 350 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन के मुख्य अभियंता (सी.बी.ओझा) उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में और हॉर्टिकल्चर की (अधीक्षण अभियंता जिगना) ने शिरकत की। सम्मेलन के दौरान यूनियन नेताओं ने विभाग एवं कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को मुख्य अतिथि के समक्ष रखा। प्रमुख मांगें निम्नलिखित रहीं: आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सुरक्षित एवं स्थायी नीति बनाई जाए। प्रत्येक माह की 7 तारीख तक सभी कर्मचारियों का वेतन सुनिश्चित किया जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों का नया टेंडर पुराने टेंडर की अवधि समाप्त होने से पहले जारी किया जाए, ताकि रोजगार में कोई बाधा न आए। फील्ड में कार्यरत सभी कर्मचारियों को नियमित रूप से सरसों का तेल एवं साबुन उपलब्ध कराया जाए। हॉर्टिकल्चर जेई एवं एसडीओ के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में आवश्यक संशोधन कर कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर दिया जाए। विभाग में रिक्त पड़े सभी पदों को शीघ्र भरा जाए। मुख्य अतिथि ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें संबंधित स्तर पर सकारात्मक रूप से विचार कर समाधान का आश्वासन दिया। चीफ इंजीनियर यह भी कहा कि साल के समाप्त होने तक हॉर्टिकल्चर जो भी समस्या है इनका हाल किया जाएगा उनको पूरा आश्वासन दिया अगर इनको ट्रैक्टर की जरूरत है मशीनरी की जरूरत है लेबर की जरूरत है स्टाफ की जरूरत है तो उनको उनकी समस्या को देखते हुए जितना हो सके उनकी समस्याओं का हल किया जाएगा साल के खत्म होते 50% जो हॉर्टिकल्चर के स्टाफ ने मांग की है उसको पूरा करने की पूरी कोशिश की जाएगी बाद में बाद में सब ने चीफ इंजीनियर व हॉर्टिकल्चर सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर जिगना का धन्यवाद किया सम्मेलन के अंत में यूनियन का चुनाव भी संपन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से आगामी दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी इस प्रकार है:

चेयरमैन : सुखबीर सिंह
प्रधान : कमल कुमार
जनरल सेक्रेटरी : राजा राम
सीनियर वाइस प्रधान : छाँगा सिंह
वाइस प्रधान : मामराज
सेक्रेटरी : संजय शर्मा
जॉइंट सेक्रेटरी : अल्लादीन
ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी : हरजीत सिंह
प्रोपेगेंडा सेक्रेटरी : हरविंदर सिंह
ऑफिस सेक्रेटरी : रंजीत सिंह
हेड कैशियर : तरलोचन सिंह
असिस्टेंट कैशियर : काली चरण
ऑडिटर : सुनीता मल्होत्रा
लीगल एडवाइज़र : नरिंदर पाल सिंह

कार्यकारिणी सदस्य : प्रशोत्तम, हरविंदर सिंह, रिंकू, बृजेश, प्रीतपाल सिंह, रूपेश, रजिंदर सिंह, भजन लाल, मोनिंदर, अमन, कुलदीप सिंह सहित अन्य साथियों को आगामी दो वर्षों के लिए कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। सम्मेलन का समापन कर्मचारियों की एकजुटता, संगठन की मजबूती तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित होली दौरे की तैयारियां तेज, उपायुक्त ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

होली में जनसभा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर मंथन, अधिकारियों को दिए निर्देश, मुख्यमंत्री के संभावित प्रवास को लेकर प्रशासन अलर्ट, हेलीपैड व सभा स्थल का निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । चंबा

04 जुलाई (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश के प्रस्तावित होली प्रवास को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में विश्राम गृह होली में उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जनसभा स्थल, यातायात एवं रूट व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध तथा स्वागत कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसएचओ भरमौर बाबू राम को सुरक्षा के कड़े इंतजाम सुनिश्चित करने, आम जनता के लिए सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा पर्याप्त पार्किंग स्थल चिन्हित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग और विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सके। बैठक से पूर्व उपायुक्त मुकेश रेपसवाल और अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भरमौर विकास शर्मा ने होली हेलीपैड तथा जनसभा स्थल का संयुक्त निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने विभिन्न व्यवस्थाओं का मौके पर आकलन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक के उपरांत उपायुक्त ने क्षेत्र के सुप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक धार्मिक स्थल लाके वाली माता मंदिर में माथा टेका तथा एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल होली का निरीक्षण भी किया। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भरमौर विकास शर्मा, डीएफओ भरमौर नवनाथ शिवाजी माने, अधीक्षण अभियंता जे.एस. ठाकुर, अधिशासी अभियंता भाग सिंह, तहसीलदार होली अजय कुमार, बीएमओ भरमौर डॉ. दीपेश बराल, सहायक अभियंता विवेक चंदेल तथा एसएचओ भरमौर बाबू राम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त न्यूज

वन विभाग द्वारा जब्त लकड़ी की जाएगी सार्वजनिक नीलामी

चंबा (एएम नाथ)– वन विभाग द्वारा जब्त की गई लकड़ी की सार्वजनिक नीलामी 7, 8 एवं 9 जुलाई, 2026 को आयोजित होगी। विभाग के अनुसार 7 जुलाई को वन विश्राम गृह सिल्ला, 8 जुलाई को वन विश्राम गृह लांगा तथा 9 जुलाई को रेंज स्टोर हरदासपुरा में सार्वजनिक नीलामी होगी आयोजित। नीलामी में संबंधित स्थानों पर रखी गई जब्त लकड़ी को नियमानुसार खुली बोली प्रक्रिया के माध्यम से बेचा जाएगा। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित स्थल पर पहुंचकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। विभाग ने बताया कि नीलामी के लिए जब्त की गई लकड़ी वन विश्राम गृह सिल्ला, वन विश्राम गृह लांगा तथा रेंज स्टोर हरदासपुरा में उपलब्ध है, जिसका इच्छुक खरीदार नीलामी से पूर्व निरीक्षण भी कर सकते हैं। वन विभाग ने सभी इच्छुक व्यक्तियों से निर्धारित तिथियों पर नीलामी में भाग लेने तथा अधिक जानकारी के लिए संबंधित वन परिक्षेत्र कार्यालय से संपर्क करने का आग्रह किया है। अधिक जानकारी के लिए रेंज वन अधिकारी, निम्न चंबा के संपर्क नंबर 98050-71038 पर संपर्क किया जा सकता है।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में हॉस्टल ओपनिंग सेरेमनी एवं शूटिंग रेंज का उद्घाटन

बीबीएन, 4 जुलाई (तारा) : गुरु नानक पब्लिक स्कूल में हॉकी के खिलाड़ियों के हॉस्टल की ओपनिंग सेरेमनी एवं अत्याधुनिक शूटिंग रेंज (10 मीटर) उद्घाटन कार्यक्रम किया गया। विद्यालय के चेयरमैनन सरदार नसीब सिंह ने हास्टल व शूटिंग रेज का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुखमनी साहिब के पाठ से की गई। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन के ट्रस्टी सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं स्कूल के सभी छात्र उपस्थित रहे। विद्यालय के चेयरमैन स. नसीब सिंह ने कहा कि यह रेंज विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ-साथ उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित कोच की देख-रेख में विद्यार्थियों को शूटिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन न केवल विद्यालय के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने का प्रतीक है, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को आगे बढ़ाने का भी प्रयास है। इस कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन सरदार नसीब सिंह, सचिव स. महेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य सरदार कुलजीत सिंह ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मेरे शहर के सौ रतन परीक्षा में शिशु मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल तलाई के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– शिशु मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल तलाई के विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश स्तर पर आयोजित मेरे शहर के सौ रतन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह परीक्षा 29 मई 2026 को आयोजित की गई थी, जिसके परिणाम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा में कक्षा दसवीं के 11 तथा कक्षा नौवीं के 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परिणामों में कक्षा दसवीं के चार विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया, जबकि छह विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत अंक अर्जित किए। वहीं कक्षा नौवीं के सभी 14 विद्यार्थियों ने 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सराहनीय प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा अन्य विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा लेकर निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बेहतर मंच, राष्ट्रीय खेलों में 100 पदक का लक्ष्य - रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री ने पोर्टमोर स्कूल में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में की शिरकत

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जुलाई (बी. शर्मा)

हिमाचल स्कूल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा शनिवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीजीएमएसएसएस) पोर्टमोर, शिमला में वर्ष 2025-26 की आईएसएफ वर्ल्ड स्कूल चैंपियनशिप, एशियन स्कूल चैंपियनशिप तथा 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्पोर्ट्स हॉस्टलों का होगा विस्तार, खिलाड़ियों की सुविधाओं में निरंतर बढ़ोतरी

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास के लिए आधुनिक आधारभूत ढांचा तैयार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 11 स्पोर्ट्स हॉस्टल संचालित हैं तथा चौपाल और शिलाई में नए हॉस्टल शीघ्र शुरू किए जाएंगे। प्रदेश में 14 कोचों की भर्ती प्रक्रिया जारी है, जबकि स्पोर्ट्स हॉस्टलों में कुराश, ठोडो और कराटे जैसी नई खेल विधाओं को भी शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 48 पदक जीते थे तथा इस वर्ष सरकार ने 100 पदक हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बीते वर्ष 1,150 स्कूली खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 रुपये से बढ़ाकर 240 रुपये कर दी गई है तथा छह माह की राशि अग्रिम जारी कर दी गई है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को वर्तमान में 350 रुपये प्रतिदिन सहायता राशि दी जा रही है, जिसे बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन करने का लक्ष्य रखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि भी 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि खेल कोटे के माध्यम से अब तक 100 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं तथा खेल कोटे की प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

150 पीएम श्री विद्यालयों में होगी म्यूजिक टीचरों की नियुक्ति : शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के 150 पीएम श्री विद्यालयों में म्यूजिक टीचरों की नियुक्ति की जाएगी तथा इसके बाद सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में भी ऐसे शिक्षकों की भर्ती की जाएगी।

सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए किसान रजिस्ट्री अनिवार्य

चम्बा (एएम नाथ)– कृषि विभाग द्वारा जिला चम्बा में आत्मा परियोजना के अंतर्गत किसान रजिस्ट्री/एग्रीस्टैक के तहत 6 जुलाई से 9 जुलाई तक विशेष पंजीकरण अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक किसानों का किसान रजिस्ट्री पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करना है।

परियोजना निदेशक, आत्मा, डॉ. नितिन कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत 6 जुलाई को तहसील चुराह के ग्राम चरड़ा, 7 जुलाई को तहसील चुराह के ग्राम मंगला, 8 जुलाई को तहसील तेलका की ग्राम पंचायत मौहड़ा तथा 9 जुलाई को उप-तहसील भलेई के ग्राम वान्हागल में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए शिमला से विशेषज्ञों की एक टीम भी जिला चम्बा में पहुंचकर अभियान में सहभागिता करेगी तथा किसानों के पंजीकरण कार्य में सहयोग प्रदान करेगी। डॉ. शर्मा ने जिले के सभी किसानों से आग्रह किया है कि वे इन विशेष शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी किसान रजिस्ट्री (फार्मर रजिस्ट्री) अवश्य करवाएं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत किसानों को ही प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी भविष्य में केवल पंजीकृत किसानों को ही प्रदान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से निर्धारित तिथियों एवं स्थानों पर आयोजित विशेष शिविरों में समय पर पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाने का आग्रह किया। पंजीकरण हेतु आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा खतौनी/भूमि अभिलेख आवश्यक होंगे। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने सभी किसानों से इस महत्वपूर्ण अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा अपने परिचित किसानों को भी किसान रजिस्ट्री करवाने के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

आजादी के बाद केवल 14 प्राइवेट मेंबर बिलों को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी: कुलदीप सिंह पठानियां

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जुलाई (बी. शर्मा)

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित न्यू टाऊन कन्वेन्शन सैंटर और असैम्बली हाऊस कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधान सभा तथा लोक सभा सचिवालय की संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा 3 व 4 जुलाई, 2026 को पश्चिम बंगाल विधान सभा के नव निर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि आंकड़े खुद कहानी बयां करते हैं आजादी के बाद से संसद में सिर्फ चौदह प्राइवेट मैम्बर बिलों को राष्टपति की मंजूरी मिली है और वर्ष 1970 के बाद से कोई भी बिल दोनों सदनों में पास नहीं हुआ है। सिर्फ 17वीं लोक सभा में ऐसे 729 ?बिल पेश किए गए जिनमें से सिर्फ 2 बिलों पर चर्चा हुई है। गौरतलब है कि तीसरे सत्र में चर्चा के लिए प्रस्तावित विषय विधायी कार्यों के साथ गैर सरकारी सदस्य बिल पर कुलदीप सिंह पठानियां पश्चिम बंगाल विधान सभा के नव निर्वाचित सदस्यों के साथ अपना अनुभव सांझा कर रहे थे। सत्र को

लोक सभा सदस्य एन0 के0 प्रेमचन्द्रन तथा राज्य सभा सचिवालय के पूर्व संयुक्त सचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने भी सम्बोधित किया। प्राइवेट मैम्बर बिल पर सम्बोधन के दौरान पठानियां ने कहा कि प्राइवेट मैम्बर (निजि सदस्य) वह सदस्या होता है जो मंत्री नहीं होता है। इसलिए ऐसे सदस्यों द्वारा पेश किए किसी भी बिल को प्राइवेट बिल कहा जाता है। हालांकि बहुत कम प्राइवेट मैम्बर बिल ही कानून बन पाते हैं लेकिन उनके महत्व को सिर्फ इसी आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए बल्कि उनका असली महत्व महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने, बहस को शुरू करने, जनमत बनाने और कभी ङ्ककभी सरकार को अपनी स्थिती पर पुनर्विचार करने या खुद का कानून बनाने के लिए प्रोत्साहित करने में निहित है। कई महत्वपूर्ण सुधारों की शुरूआत सबसे पहले प्राइवेट मैम्बर बिल के रूप में हुई थी और बाद में उन्हें सरकारी कानूनों में शामिल किया गया। इसलिए ऐसे बिल की सफलता को न केवल कानून बनने से बल्कि सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने की उसकी क्षमता से मापा जाना चाहिए। पठानियां ने कहा कि विधायी प्रक्रिया नियमों के तहत औपचारिक कदमों की एक श्रृंखला से कहीं ज्यादा है। यह वह संवैधानिक तरीका है जिसके जरिए लोकतान्त्रिक अकांक्षाओं को लागू करने योग्य अधिकारों और दायित्व में बदला जा सकता है लेकिन हर चरण ङ्क नीति बनाने और ड्राफ्ट तैयार करने से लेकर बहस, समिमि की जाँच, संशोधन और अंतिम मंजूरी तक कानून की गुणवता को बेहतर बनाने के लिए संसदीय कामकाज के सालों के अनुभव से विकसित हुआ है। पठानियां ने कहा कि नए चुने हुए सदस्यों के तौर पर आपको इस महत्वपूर्ण संवैधानिक काम में हिस्सा लेने का सौभाग्य मिला है।

सदन के सामने आने वाला हर बिल शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने का मौका देता है तथा हर प्राइवेट मैम्बर का बिल सार्वजनिक नीति मे नए विचार देने का मौका भी देता है। पठानियां ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि आप सभी को जिज्ञासा, संवैधानिक निष्ठा और जनहित के प्रति मजबूत प्रतिबद्वता के साथ विधायी काम को करना चाहिए। विधायक की असली विरासत सदन में बिताए गए सालों या दिए गए भाषणों की संख्या से नहीं मापी जाती है बल्कि यह उन कानूनों की गुणवत्ता, बहस में दिखाई गई समझदारी और लोकतांत्रिक संस्थाओं में किए गए स्थायी योगदान से मापी जाती है। अपने सम्बोधन के अन्त में पठानियां ने सभी सदस्यों के सफल और शानदार विधायी करियर की कामना की तथा विश्वास जताया कि आप सभी का काम पश्चिम बंगाल विधान सभा की गौरवमयी संसदीय परम्पराओं को और मजबूत करेगा। प्रबोधन कार्यक्रम के सत्र उपरान्त समिति प्रणाली की समीक्षा हेतु गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति ने समिति हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक की तथा समिति के प्रारूप प्रतिवेदन को अन्तिम रूप देते हुए सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर कर इसे अनुमोदित एवं पारित किया। समिति सदस्यों ने सायंकाल में सांस्कृतिक संध्या के दौरान मिलकर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को प्रारूप प्रतिवेदन की एक हस्ताक्षरित कॉपी भेंट की तथा उन्हें सौंपी गई जिम्मेवारी से लोक सभा अध्यक्ष को अवगत भी करवाया। लोक सभा अध्यक्ष ने प्रारूप प्रतिवेदन की प्रतिलिपि स्वीकारते हुए कार्य को चरणवद्ध तथा समयवद्ध पूर्ण करने के लिए समिति के सभापति तथा सदस्यों को धन्यवाद दिया।

कुठाड़ नदी पर निर्मित झूला पुल जंग लगने की वजह से हुआ कमजोर

लोगों ने उठाई मुरम्मत करने की मांग

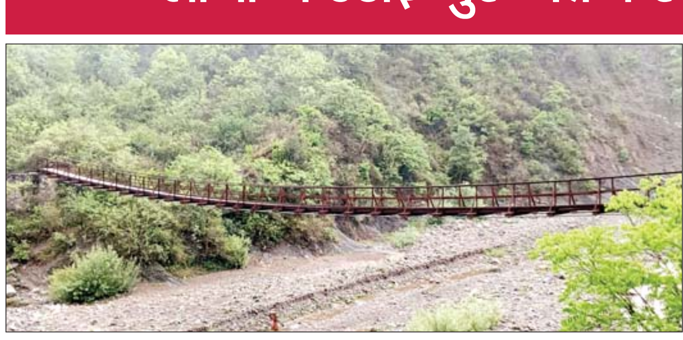

» प्रथम न्यूज । कुठाड़

04 जुलाई (तारा)

कृष्णगढ़ पंचायत के तहत कुठाड़ नदी पर लोक निर्माण विभाग द्वारा लोगों की पैदल आवाजाही के लिए ङ्कबनाया गया झूला पुल उचित देखरेख न होने की वजह से उपेक्षा का शिकार है। इस पुल में लगाई लोहे की सामग्री में जंग लग चुका है। जंग लगने से इसमें प्रयोग लोहे की तमाम सामग्री कमजोर होने लगी है ।लेकिन विभाग ने पिछले 23 वर्षों से इसकी सुध नहीं ली है। क्षेत्र की कृष्णगढ़, जाडला, कक्करहट्टी के इलावा सुबाथू छावनी को पैदल जाने वाले लोग इस पुल का इस्तेमाल करते है। वहीं भारी वर्षा ,बरसात व नदी में बाढ़ के दिनों में लोगों की आवाजाही के लिए यही एक मात्र पुल है। ऐसे में यदि समय रहते इसकी आवश्यक मुरम्मत न की गई तो कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। बता दें कि इस नदी पर पूर्व में कोई भी पैदल पुल नही था,वहीं एक बार नदी को पार करते हुए कृष्णगढ़ पंचायत के एक परिवार के तीन लोग दो छोटे बच्चे व उनके पिता पानी में बह गए थे,उसके बाद लोगों ने लंबा संघर्ष कर विभाग से इस पुल का निर्माण वर्ष 2003 में करवाया था। पुल का उदघाटन भाजपा सरकार के पूर्व मार्किटिग कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रो. वीरेंद्र कश्यप ने किया था। 23वर्ष बीत जाने के बाद अब इस पुल को आवश्यक मुरम्मत के इलावा रंग रोगन की दरकार है। कृष्णगढ़ पंचायत के प्रधान पुष्पेंद्र कुमार,वार्ड पंच पूर्ण चंद, हरिदत्त , रुक्मिणी देवी, खेमचंद,रमेश कुमार केशवा राम व मन्साराम सहित अन्य लोगों ने विभाग से इसमें रंग रोगन व अन्य कार्य करने की मांग की है। पंचायत प्रतिनिधियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से इस पुल की सुध लेने की मांग की है।

बिलासपुर में नशा मुक्ति एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

04 जुलाई (धर्मपाल)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शनिवार को किसान भवन, बिलासपुर में नशा मुक्त भारत अभियान तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए राज्य कार्ययोजना के अंतर्गत जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया।

कार्यशाला में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा सामुदायिक विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करती है। इस चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जनजागरूकता, समय पर उपचार, पुनर्वास सेवाओं तथा समाज की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नशे की रोकथाम, उपचार एवं पुनर्वास के लिए उपलब्ध सरकारी सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, उनके कानूनी अधिकारों तथा सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में हिमाचल ज्ञान-विज्ञान समिति, बिलासपुर के स्वयंसेवियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी ने नशा मुक्त, स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण तथा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

श्रीलंका में टीम इंडिया का गदर, सुदर्शन के शतक के बाद जुरेल-सारांश ने मचाई तबाही

साई सुदर्शन के शतक के बाद कप्तान ध्रुव जुरेल और सारांश जैन ने अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है।

श्रींलका ए के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन भी अपना दबदबा बनाए रखा और मैच में मजबूत पकड़ बना ली है। मैच के दूसरे दिन ही सुदर्शन ने शतक जड़ दिया था। तीसरे दिन उनसे दोहरे शतक की उम्मीद थी लेकिन वे 168 रन बनाकर आउट हो गए।

गाले में खेले जा रहे दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन टीम इंडिया ने मजबूत पकड़ मुकाबले पर बना ली है। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 366 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंडिया ए ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 541 रन बना लिए हैं। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर कुटाई की है।

देवदत्त पडिक्कल शतक लगाने से चूके

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 1 विकेट के नुकसान पर 247 रन बना लिए थे। सुदर्श 104, जबकि देवदत्त पडिक्कल 94 रन बनाकर खेल रहे थे। तीसरे दिन का खेल शुरू होने के बाद पडिक्कल से उम्मीद थी कि वे शतक लगाएंगे लेकिन वे स्कोर को आगे नहीं बढ़ा सके और 94 रनों पर ही आउट हो गए। दूसरी तरफ सुदर्शन ने पारी को आगे बढ़ाया और उन्होंने 168 रनों की पारी खेली।

ध्रुव जुरेल और सारांश जैन ने लगाया अर्धशतक

पडिक्कल और सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान ध्रुव जुरेल और शेक रशीद ने मोर्चा संभाला। रशीद अर्धशतक लगाने से चूक गए और 45 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान जुरेल ने शानदार पारी खेली और अर्धशतक लगाया। उन्होंने 88 गेंदों पर 53 रन बनाए। इसके बाद सारांश जैन ने भी शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया।

भारत की मुकाबले में मजबूत पकड़

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 8 विकेट के नुकसान पर 541 रन बना लिए हैं। टीम इंडिया के लिए सारांश जैन 137 गेंदों पर 68 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे छोर पर यश ठाकुर हैं, जो 1 गेंदों पर 2 रन बनाकर नाबाद लौटे। ऐसे में अब भारत को उम्मीद होगी कि सारांश चौथे दिन शतक लगाएं और इंडिया ए को 600 के स्कोर तक पहुंचाए। श्रीलंका के लिए केशारा नुवांता ने सबसे अधिक 4 विकेट अपने नाम किए।

सरेआम अफगानी खिलाड़ी की कैप चोरी कर भागा दर्शक, पूरे स्टेडियम में बना गया तमाशा

आपने कई बार देखा होगा कि मैच चल रहा होता है और अचानक से दर्शक मैदान पर घुस आते हैं। कोई अपने स्टार से मिलता है और पूर छूता है तो कोई हाथ मिलाकर चला जाता है तो कोई सेल्फी लेता है। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाड़ी रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ अजीब बात हुई है। दर्शक उनसे मिलने तो आया, लेकिन कैप चोरी कर भाग गया।

पूरे स्टेडियम में इस दर्शक ने जमकर तमाशा किया और स्टैंड में बैठे दर्शकों को जमकर हंसने का मौका दिया। सिक्टोरियी गार्ड्स ने तुरंत एक्शन लेते हुए उसे पकड़ने की कोशिश की जो हो नहीं सका, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए जितना मसाला चाहिए था उसका वीडियो बन गया।

इस टूर्नामेंट में हुआ हादसा

ये मामला अफगानिस्तान की टी20 लीग का है। शपेगीजा क्रिकेट लीग में गुरबाज मिस एनाक नाइट्स के कप्तान हैं। इस टीम का सामना बंद-ए-अमीर ड्रैगन्स से हो रहा था। गुरबाज फील्डिंग कर रहे थे तभी अचानक से एक सिरफिरा फैन मैदान पर घुस गया। सभी ने सोचा कि ये गुरबाज से हाथ मिलाएगा या सेल्फी लेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इस फैन ने सीधे गुरबाज के पास पहुंचकर उनकी कैप छीन ली और भाग दिया।

सिक्टोरिटी गार्ड्स ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह उन्हें चकमा देकर बाउंड्री के पार लगे होर्डिंग बोर्ड पार कर गया। गुरबाज सिर्फ देखते रह गए और हंसने लगे।

गुरबाज को मिली जीत

जहां तक मैच की बात है तो गुरबाज ने अपनी टीम को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई। टॉस जीतने के बाद गुरबाज ने गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका ये फैसला काम कर गया। ड्रेगन्स की टीम 19.3 ओवरों में 114 रनों पर ही ढेर हो गई। इस टारगेट को गुरबाज की टीम ने 9.4 ओवरों में हासिल कर लिया।

काव्या मारन की टीम से नहीं खेल पाएंगे पाकिस्तानी अबरार अहमद? पाक खिलाड़ी के सामने आई बड़ी मुसीबत

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद एक दुविधा में फंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। अबरार को काव्या मारन की स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स ने द हंड्रेड लीग में खरीदा था। इसके बाद काव्या की काफी आलोचना हुई थी। अब अबरार एक दुविधा में फंस गए हैं और उनके लीग में खेलने पर संशय मंडरा रहा है।

अहमद पाकिस्तानी टीम के अहम खिलाड़ी हैं और इसी वजह से उनके लिए लीग क्रिकेट या राष्ट्रीय टीम का चयन करना दुविधा बन गया है। दरअसल, जिस समय द हंड्रेड लीग खेली जानी है, उसी समय पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। अबरार के संभावित चयन ने उनके लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि वे पाकिस्तान को चुनेंगे या फिर द हंड्रेड में खेलेंगे।

अबरार अहमद के लिए खड़ी हुई बड़ी मुसीबत : द हंड्रेड लीग 21 जुलाई से शुरू होने वाली है। दूसरी तरफ पाकिस्तान को 25 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में अबरार के लिए दोनों में से किसी एक का चयन करना होगा। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अबरार और उनके एजेंट दुविधा में हैं कि अगर उनका चयन टेस्ट सीरीज के लिए होता है, तो लीग में उनकी भागीदारी प्रभावित होगी। इस वजह से वे दुविधा में फंसे हुए हैं।

अबरार को लेकर इतनी बातें इस वजह से भी हो रही हैं क्योंकि सनराइजर्स लीड्स की मालिक भारत की काव्या मारन हैं। वे आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की भी ओनर हैं। इसके बाद नीलामी में उन्होंने खुद अबरार के लिए बोली लगाई और उन्हें 2.3 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया। उनके ऐसा करने से भारत में कड़ा विरोध हुआ। काव्या को जमकर आलोचना का सामना करना पड़ा।

द हंड्रेड में खेलना चाहते हैं अबरार

रिपोर्ट में बताया गया है कि उनके एजेंटों का कहना है कि टीम ने जब अबरार के लिए बोली लगाई, तो उन्हें भारतीयों की आलोचना का सामना करना पड़ा। इस वजह से उनका लीग में खेलना बहुत ही जरूरी है। हालांकि, वे इस पर विचार कर रहे हैं कि अगर उनका चयन पाकिस्तानी टीम में होता है, तो वे लीग खेलेंगे या फिर राष्ट्रीय टीम को तरजीह देंगे।

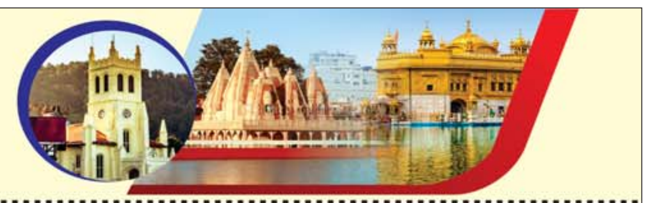

श्रीगंगानगर में मासूम बच्ची से दरिंदगी के आरोपियों पर पुलिस प्रशासन का बड़ा एक्शन

14 आरोपियों को पहुंचाया सलाखों के पीछे

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (पुनीत महाजन)

श्रीगंगानगर में एक 13 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत के मामले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर श्रीगंगानगर पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। 14 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। वहीं जिन होटलों में जघन्य अपराध को अंजाम दिया गया, उन पर पुलिस और प्रशासनिक अमले ने संयुक्त रूप से जेसीबी व हाइड्रोलिक मशीने चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। बालिका से हुए जघन्य अपराध को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। होटल जॉय इन, होटल सफायर और बीरबल चौक स्थित होटल ड्रीम लैंड की अवैध व नियमों के विरुद्ध बनी बिल्डिंगों को जमींदोज कर दिया गया है। जिला प्रशासन अब जिले भर में ऐसे होटल ऑन को भी चिन्हित कर रहा है जिनमें संदिग्ध गतिविधियां होने का अंदेशा है। पुलिस प्रशासन की कार्रवाई से आम लोगों ने सराहना की है।

डंकी रूट से इटली गए युवक की हार्ट अटैक से मौत, 23 दिन बाद भी नहीं पहुंचा शव; बूढ़ी मां को बेटे के अंतिम दर्शन का इंतजार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
04 जुलाई (पुनीत महाजन)

रामपुर सिंह गांव का रहने वाला घर की आर्थिक तंगी दूर करने और बेहतर रोजगार की तलाश में सात वर्ष पहले डंकी रूट के जरिए विदेश गए रामसिंहपुर निवासी युवक सुखवंत सिंह की इटली में हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना को 23 दिन बीत जाने के बावजूद उसका शव अब तक पैतृक गांव नहीं पहुंच सका है, जिससे परिवार गहरे सदमे में है। बूढ़ी मां सुखदेव कौर और छोटे भाई का रो-रोकर बुरा हाल है तथा वे बेटे के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। परिजनों के अनुसार सुखवंत सिंह वर्ष 2019 में बेहतर रोजगार और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से विदेश गया था। लंबे संघर्ष के बाद वह इटली में रहने लगा। 10 जून को हार्ट अटैक आने से उसकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि सुखवंत इटली की नागरिकता प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी कर चुका था और 28 जून को उसे नागरिकता मिलने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही उसका निधन हो गया। मृतक का शव फिलहाल इटली के एक अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है। परिजनों का कहना है कि विदेश से शव भारत लाने की कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया जटिल होने के कारण अब तक अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। उनका आरोप है कि अब तक किसी जनप्रतिनिधि या संबंधित स्तर से अपेक्षित सहायता नहीं मिली है। गांव में लगातार लोग शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंच रहे हैं। परिवार ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से शव को जल्द भारत लाने में आवश्यक सहयोग देने की मांग की है, ताकि सुखवंत सिंह का अंतिम संस्कार उसके पैतृक गांव में किया जा सके।

भाजपा की गुटबंदी आई सड़क पर : अशोक अरोड़ा

कुरुक्षेत्र 4 जुलाई (बृज मोहन) थानेसर के कांग्रेसी विधायक एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा है कि रेवाड़ी में मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद एवं केंद्र के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह सहित तीन विधायकों व जिला के सैंकड़ों भाजपा पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय कृषि मँत्री शिवराज चौहान सिंह की रैली से दूरी बनाई। उन्होने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नेता कांग्रेस में गुटबाजी होने का आरोप लगाते हैं जबकि भाजपा की गुटबाजी सड़क तक आ गई है। इतना ही नहीं फरीदाबाद में एक मंत्री पहले उद्घाटन करके चले जाते हैं और केंद्रीय मंत्री 10 मिनट बाद उद्घाटन करते हैं। मंत्री राव नरबीर सिंह और राव इंद्रजीत सिंह के बीच की लड़ाई किसी से छुपी नहीं हुई है। अशोक अरोड़ा ने आरोप लगाया कि गत दिवस रेवाड़ी में मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री के जलसे से यहां के सांसद और 3 स्थानीय विधायक नदारद रहे। उस क्षेत्र के सांसद केंद्रीय मंत्री भी है।

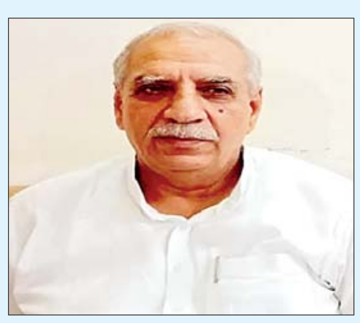

विधायक अरोड़ा ने वीबी जीरामजी योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने मनरेगा के जरिए 100 दिन रोजगार की गारंटी दी थी। अब सरकार 125 दिन रोजगार की बात कर रही है, लेकिन भाजपा योजना में रोजगार की गारंटी नही दे रही। मनरेगा स्कीम में 90 प्रतिशत राशि केंद्र की सरकार दे रही थी। केवल सिर्फ 10 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को देनी होती थी।

उसके बावजूद भी प्रदेश की बहुत सी सरकारें मनरेगा को लागू नहीं कर पाई। अब बीवी जीरामजी में 60 प्रतिशत राशि प्रदेश और 40 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार लगाएगी। ऐसे में ये स्कीम मजदूर का हक छीनने वाली है। अरोड़ा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी राम जी और धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का मंदिर बना, तब पूरे देश ने चंदा दिया। पूरे देश की आस्था मंदिर और राम से जुड़ी है। रामजी सबके लिए आदर्श है, लेकिन इन लोगों ने मंदिर का चंदा चोरी किया। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

मुख्यमंत्री को हरियाणा की बजाय पंजाब और राजस्थान की ज्यादा चिंता : अरोड़ा

अशोक अरोड़ा ने हरियाणा और राजस्थान के बीच जल समझौते का विरोध करते हुए कहा कि जो पानी राजस्थान को देने के लिए समझौता किया गया है, वह पानी दक्षिणी हरियाणा में देना चाहिए था क्योंकि दक्षिणी हरियाणा में पानी बड़ी किल्लत है। अरोड़ा ने कहा कि यह समझौता केंद्र सरकार के दबाव में किया गया है। उन्होने कहा कि पिछले 12 वर्षों से केंद्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है। एसवाईएल का मामला किसी भी अदालत में विचाराधीन नही है, हरियाणा के हक में फैसला हो चुका है। सतलुज का पानी हरियाणा में लाने की जिम्मवारी केंद्र सरकार की है लेकिन आज तक इसके लिए कोई प्रयास नही किया गया। उन्होने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी को पंजाब और राजस्थान की ज्यादा चिंता है। उन्होने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दादूपुर नलवी नहर बनाई गई थी। अंबाला, यमुनानगर तथा कुरुक्षेत्र के 90 प्रतिशत ब्लॉक डार्क जोन में हैं। दादूपुर नलवी नहर बनने से जलस्तर उपर आ जाता लेकिन भाजपा सरकार ने इस नहर को ही बंद कर दिया। प्रदेश सरकार केंद्र सरकार के आरोप में हरियाणा के हितों की बलि दे रही है।

विकास खण्ड झंडूता में- 45 पंचायतों के प्रधानों व सचिवों की सामूहिक बैठक आयोजित, विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
04 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचाना समस्त पंचायत प्रतिनिधियों का प्रमुख उद्देश्य है ये शब्द विकास खण्डधिकारी झंडूता संजीव पुरी ने- विकास खंड कार्यालय स्थित पंचायत समिति सभागार में विकास खंड की सभी 45 ग्राम पंचायतों के प्रधानों और पंचायत सचिवों की सामूहिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने सम्बोधन में कहें उन्होंने इस अवसर पर सर्वप्रथम नवनिर्वाचित प्रधानो को इस प्रथम बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करने पर बहुत शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की भी कामना की है उन्होंने कहा कि सभी अपनी अपनी पंचायत में जनता के कार्यों को जनता के सहयोग से निष्पक्ष निडर होकर कार्य करें ताकि जनता का पूर्ण विश्वास पंचायत एवं विभाग पर बना रहे उन्होंने कहा कि समय-समय पर पंचायत द्वारा आयोजित साधरण अधिवेशन की जानकारी से नोटिस बोर्ड व अन्य साधनों से आम जनता तक पहुंचाना समस्त पंचायत प्रतिनिधियों का परम कर्तव्य है उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से आम जनता को अवगत कराते में अहम् भूमिका अदा करें उन्होंने कहा कि जिस उम्मीद व विश्वास के साथ जनता ने उन्हें इस पद तक पहुंचाया है उस पद की भी गरिमा बनाए रखें

उन्होंने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायतों में स्वीकृत विकास कार्यों की समीक्षा करना तथा उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देना रहा। इस दौरान विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई और पंचायत प्रतिनिधियों व सचिवों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। विकास खंड अधिकारी संजीव पुरी ने बताया कि आगामी 5 जुलाई से सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान पंचायत कार्यकाल की यह पहली ग्रामसभा होगी, इसलिए सभी प्रधान और सचिव इसकी तैयारियां समय रहते पूरी करें तथा ग्रामसभाओं में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि विकास से जुड़े प्रस्तावों और जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हो सके इस अवसर पर बैठक के सफल आयोजन के लिए समस्त पंचायत प्रतिनिधियों एवं सचिवों को शुभकामनाएं दी हैं इस अवसर पर कम्प्यूटर आपरेटर अनिल नड्डा, पंचायत निरीक्षक संजय शर्मा, ब्लाक इंजीनियर बिजया अत्री,ईजनीयर वीरेंद्र चड्डा,एस बी पी ओ, रंजना कुमारी,एस बी एस कोर्डिनेटर रमेश प्रधान ग्राम पंचायत बड़गांव मंगल सिंह ठाकुर, प्रधान ग्राम पंचायत नघियार अनु कुमारी सहित विकास खण्ड की समस्त पंचायतों के प्रधानो एवं सचिवों ने इस बैठक में भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

खाद्यान्न परिवहन कार्य के लिए दो वर्षों की ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया शुरू

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
04 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के थोक भण्डार बिलासपुर से हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के थोक भण्डार सदर तक खाद्यान्न के परिवहन एवं दुलाई कार्य के लिए वर्ष 2026-27 तथा 2027-28 की अवधि (दो वर्ष) हेतु ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, बिलासपुर बिजेंद्र पठानिया ने बताया कि इस कार्य के लिए इच्छुक एजेंसियां अपनी निविदाएँ केवल ई-टेंडरिंग पोर्टल https://hptenders.gov.in के माध्यम से 27 जुलाई, 2026 को सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकती हैं। निर्धारित समय के बाद प्राप्त अथवा ऑफलाइन माध्यम से भेजी गई किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्राप्त ऑनलाइन निविदाएँ 28 जुलाई, 2026 को प्रातः 11:00 बजे उपायुक्त बिलासपुर अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय, बिलासपुर या उनके द्वारा निर्धारित स्थान पर निविदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएँगी। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया, पात्रता एवं अन्य शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी ई-टेंडरिंग पोर्टल पर उपलब्ध है। इच्छुक एजेंसियां निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

मॉनसून में है शादी तो काम आएंगे ये टिप्स

-शहनाज़ हुसैन

गर्मियों के बाद आ रहे मानसून के साथ आता है शादियों का सीजन।

क्या आप इस मानसून के मौसम में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं? बारिश के मौसम में शादी करना रोमांटिक हो सकता है लेकिन यह थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है।

बरसात को ''प्यार का मौसम'' माना जाता है तो इस मौसम में शादियों का अलग ही नज़ारा देखने को मिलता है। मानसून की ठण्डी हवाओं, हरियाली, बूंदा-बांदी शादी के उत्सव में रोमांस, प्यार, खुशी व आनंद के एहसास को दोगुना कर देते है।

मानसून में शादी के उत्सव में रिमझिम बारिश की कल्पना एक सुखद एहसास दिलाती है। हालांकि मानसून की शादी अत्याधिक रोमांचकारी मानी जाती है लेकिन मानसून की शादी में अनेक ऐसे पहलू भी होते हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ करने से शादी का उत्सव फीका पड़ सकता है और आयोजकों व मेहमानों को खासी दिक्कतों को सामना करना पड़ सकता है।

शादी के दिन सुंदर दिखना महज़ मेकअप व ड्रैस पर निर्भर नहीं करता बल्कि इस दिन के लिए आपको महीनों पहले से बालों व त्वचा की देखभाल शुरु करनी पड़ती है। इसके लिए त्वचा तथा बालों के प्रकार तथा मौसम को ध्यान में रखकर सौन्दर्य प्रसाधनों का उपयोग शुरु करना चाहिए। मानसून में तैलीय या मिश्रित त्वचा की दुल्हनों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। तापमान में उमस व गर्मी की वजह से तैलीय त्वचा ज्यादा ऑयली व निर्जीव दिखती है।

वातावरण में उमस की वजह से त्वचा में पसीना आता है तथा वातावरण में प्रदुषण व गंदगी त्वचा पर जम जाती है।

वाटर प्रूफ मेकअप: मानसून के सीज़न में शादियों में दुल्हन को मेकअप की समस्या से निजात दिलाने के लिए वाटरप्रूफ मेकअप को अपनाना चाहिए। मानसून में बारिश और उमस के चलते आपका मेकअप पूरी तरह खराब हो सकता है।

इसलिए मेरी सलाह है कि सामान्य सौंदर्य उत्पादों की बजाय वाटरप्रूफ सौन्दर्य उत्पादों को प्राथमिकता दें। बारिश की फुहार या भावनात्मक क्षणों में आंखों के आंसूओं से सामान्य मेकअप खराब हो सकता है। जिससे आपका चेहरा भद्दा दिख सकता है शादी से सप्ताह पहले मेकअप ट्रायल जरूर कर लीजिए। अपने मेकअप आर्टिस्ट से मेकअप करवाने के बाद चेहरे पर पानी के छींटे डालें जिससे आपको मेकअप की गुणवत्ता का अहसास हो जाएगा तथा कमियों को आप समय रहते दूर कर सकेंगी। अगर आपके बाल फ्रिज़ी हैं तो भी हेयर स्टाईलिस्ट से नमी की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए समय रहते उपाय कर सकते हैं। मॉनसून में मेकअप को बनाए रखने के लिए ट्रेनसुलेंट पाऊडर का प्रयोग कीजिए जोकि नमी की अधिकता तथा तेलों को सोखने में मदद करेगा जिससे आपकी फाउंडेशन बनी रहेगी। अपने चेहरे को क्लीन्ज़र से धोकर इस पर जमे मैल और गन्दगी को हटाकर हल्का ऑयल फ्री मॉइस्चराइज़र लगाइए। इससे आपकी मेकअप के लिए मुलायम कैनवास तैयार हो जाएगा।

इसी तरह पाउडर आधारित ब्लश, ब्रॉन्ज़र्स व आई शैडो का प्रयोग कीजिए। यह वॉटरप्रूफ होने के साथ ही क्रीम आधारित स्टाईलिंग से ज्यादा देर तक ठहरते हैं।

इस मौसम में काजल लगाना है तो वॉटरप्रूफ काजल पेंसिल का इस्तेमाल करें क्योंकि बरसात में काजल आंखों में फैल जाता है और पर आंखें डार्क सर्कल दिखने लगते हैं। मॉनसून में काले रंग के काजल और आई मेकअप से बचें/

बरसात में आप वाटर प्रूफ लिक्विड बिं दी लगाएं अन्यथा बाजार में मि लने वाली स्टिकर वाली , नगों वाली या कुंदन वाली सुंदर. डिजाइन वाली बिंदिया लगा सकती हैं ये बिंदिया फैलती नहीं हैं।

फुटवियर -अगर आप खुले आसमान के नीचे शादी का आयोजन कर रहे हैं, तो फुटवियर का खास ख्याल रखने की जरूरत है। कीचड़ भरे मैदान और फिसलन वाले फ्लोर में मजबूत ग्रिप वाले फूटवीयर पहनने चाहिए ताकि आप घूमते हुए गिर न जाऐं। बरसात के मौसम में ''हील'' पहनकर चलना कोई आसान काम नहीं है। इससे हील के कीचड़ में फंसने तथा फिसलने का खतरा बना रहता है।

आप स्टाईलिश दिखने वाली क्लासिक जूती पहनें जोकि आपके ड्रेस को मैच करती हो तथा इससे आप सहज व सुखद एहसास फील करेंगी। पंजाबी जूती काफी आकर्षक लगेगी।

शादी का पहरावा

हल्के, सांस लेने योग्य, ऑर्गेना, शिफॉन ,क्रेप ,साटन और जॉर्जेट जैसे कपड़े चुनें जो पानी में टिकाऊ हों। ऐसे हल्के और सांस लेने योग्य कपड़े मानसून के दौरान पानी को झेल सकते हैं और नमी सोख सकते हैं

इस मौसम में पहरावे का चयन भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। शादी के दौरान स्टाईलिश और सहज दिखने के लिए शादी की सही पोशाक का चयन महत्वपूर्ण होता है।

कम से कम कढ़ाई का विवरण चुनें

ज्यादातर दूल्हनें पोशाक का चयन करते समय मखमल , जरी ,बेल बूटेदार वस्त्र जैसी भारी पोशाक का चयन करती हैं तथा बारिश के पानी में भीगने से इसकी इम्ब्रायडरी खराब हो सकती है। मानसून सीज़न के लिए सिल्क की पौशाक काफी आरामदेह साबित होती है। सिल्क की सुन्दर सजाबट होती है जोकि किसी भी पौशाक में चार चाँद लगा देती है । हल्की और पतली सिल्क गर्मी और उमस में ठण्डक का एहसास प्रदान करती है। सिल्क की पौशक से आप ग्लैमरस और फैशनऐबुल दिखती हैं तथा आरामदेह भी होती है।

बॉर्डर गंदा होने से बचाने के लिए लहंगे और दुपट्टे की लंबाई छोटी रखें। आप अपने पहनावे में कुछ चमक जोड़ सकते हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि वे पहनावे में बहुत अधिक वजन न जोड़ें /

और पानी के संपर्क में आने पर प्रतिक्रिया न करें। हीरे, मोती या क्रिस्टल से की गई कढ़ाई एक सुंदर लुक देती है और नमी के संपर्क में आने से खराब नहीं होती है।

हेयरस्टाईल- बरसात में गर्मी और उमस के वातावरण में बालों की बनावट और स्टाईल काफी टेंशन में डाल देते हैं। बारिश की फूहार व ठण्डी हवाओं में बारिश फ्रिज़ी हो जाते हैं। हालांकि खुले बाल काफी सहज होते हैं लेकिन उमस की वजह से यह फ्रिजी हो सकते हैं। बरसात में मौसम के मिज़ाज को देखते हुए जुड़ा , चोटी या पोनी टेल बेहतर विकल्प हो सकता है। इस दौरान हल्की हेयर एसेसरीज़ का चयन कीजिए। तेज़ हवाओं से खुले बालों को बचाने के लिए किसी ट्रेंडी वन का चयन कीजिए। परफेक्ट हेयर स्टाईल के साथ साधारण लहंगा भी आपको आकर्षक मनोहर और आकर्षक लुक दे सकता है और आप सबसे अलग दिख सकती हैं।

शहनाज़ हुसैन

अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं।

पीजी या हॉस्टल में रहते हैं तो गर्मियों में बनाएं ये स्नैक्स, गैस-कूल्हे की भी जरूरत नहीं

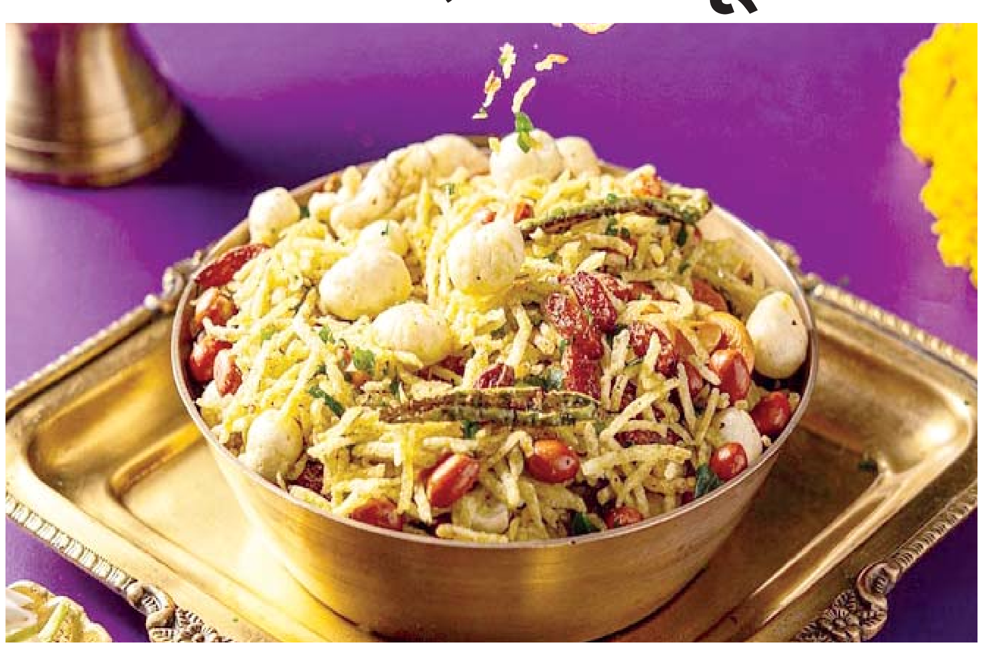

पढ़ाई या नौकरी के लिए बच्चे या युवा अपने घर से दूर हॉस्टल, पीजी या किराए का कमरा लेकर रहते हैं, जहां उनके लिए सबसे अधिक समस्या खाने की रहती है। रोजाना बाजार का खाना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होने के साथ ही खर्चीला भी होता है। ऐसे में लोग कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ ही आसानी से तैयार हो जाए। किचन या गैस की सुविधा न होने और चूल्हे पर खाना पकाना न आता हो तो भी कुछ ऐसे स्नैक्स बना सकते हैं जो गर्मियों के लिहाज से हल्के और पौष्टिक होते हैं। इन्हें बनाने में ना तो ज्यादा समय लगता है और ना ही ज्यादा सामान चाहिए होता है। बिना गैस या रसोई घर से जुड़े उपकरणों के ये आसान स्नैक्स आपकी भूख भी शांत कर सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे आसान स्नैक्स जो बिना गैस या कूल्हे के भी बन सकते हैं।

वेज सैंडविच : यह झटपट तैयार होने वाला नाश्ता है जो खाने में लजीज भी लगता है। इसे बनाने के लिए ब्रेड की स्लाइस पर बटर या मेयोनीज लगाएं। फिर उस पर छोटे टुकड़ों में कटे खीरा, टमाटर, प्याज और पनीर रखें। नमक, काली मिर्च और चाट मसाला छिड़क कर दोनों ब्रेड आपस में दबा दें। आप चाहें तो कटे हुए खीरे, टमाटर, प्याज और पनीर को दो चम्मच दही में मिक्स करके उसे ब्रेड स्लाइस पर रख सकते हैं। इसका स्वाद भी मजेदार लगता है और गर्मियों में राहत देने वाला होता है। यह फाइबर और प्रोटीन से भरपूर नाश्ता हो सकता है।

फ्रूट चाट - यह स्नैक्स एनर्जी से भरपूर और गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने वाला है। इसे बनाना बहुत सरल है। फ्रूट चाट बनाने के लिए सेब, केला, पपीता, तरबूज, अनार आदि अपने मनपसंद सभी फलों को काट लें। कटे हुए फलों पर नींबू का रस और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिला लें। एक बाउल फ्रूट चाट आपकी भूख भी कम करेगा और शरीर को ताजगी देगा।

मखाने का भुना हुआ स्नैक : मार्केट से रोस्टेड मखाने ले आएं और उस पर थोड़ा नमक, चाट मसाला या पुदीना पाउडर छिड़कें। यह लो कैलोरी और प्रोटीन रिच स्नैक्स है, जो हल्का भी होता है और सेहतमंद भी।

मूंग दाल चाट - अगर आपके पास हरी मूंग दाल है तो उसे रात भर भीगने के लिए रख दें। सुबह नाश्ते में भीगी मूंग दाल में प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, नींबू का रस और हरा धनिया बारीक काटकर मिलाएं। स्वादानुसार नमक डालकर मूंग दाल चाट का स्वाद लें। यह हेल्दी प्रोटीन स्नैक्स है जिसके सेवन से लंबे समय तक पेट भरा हुआ रहता है। साथ ही गर्मियों में शरीर को ठंडा भी रखता है।

दही-चिवड़ा स्नैक : चिवड़ा या पोहा को साफ पानी से धुलकर हथेली की मदद से निचोड़ लें। अब चिवड़ा को ठंडे दही में मिलाएं। ऊपर से भुनी मूंगफली, हरी मिर्च या धनिया डालें। थोड़ा नमक, जीरा पाउडर, चाट मसाला आदि स्वादानुसार मिलाकर ठंडा ठंडा चिवड़ा स्नैक्स खाएं। इसके सेवन से पेट हल्का रहता है और शरीर को ठंडक मिलती है।

बार- बार हिचकी आना नहीं है आम बात, इसे रोकने के लिए जानें घरेलू उपाय

हिचकी आना आम बात है, हर किसी को कभी न कभी इससे सामना करना पड़ता है। बार-बार हिचकी आना एक सामान्य परंतु कभी-कभी परेशान करने वाली स्थिति हो सकती है।

इसे हिकअप्स कहा जाता है, और इसका वैज्ञानिक कारण है डायाफ्राम की अनियमित हरकत। डायाफ्राम हमारे फेफड़ों के नीचे एक मांसपेशी होती है, जो सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है। हिचकी को रोकने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं, जो इस प्रकार हैं।

हिचकी रोकने के उपाय

सांस रोकना : गहरी सांस लेकर कुछ समय तक रोकें। ऐसा करने से फेफड़ों में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का स्तर बढ़ता है, जिससे डायफ्राम को आराम मिलता है और हिचकी रुक सकती है।

ठंडा पानी पीना : धीरे-धीरे ठंडा पानी पीने से गले और डायफ्राम की नसों को सुकून मिलता है, जिससे हिचकी कम हो सकती है।

पेपर बैग में सांस लेना : एक कागज़ की थैली (पेपर बैग) में धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ें। इससे भी शरीर में CO_2 का स्तर बढ़ता है और हिचकी रुक सकती है।

कब डॉक्टर से मिलें?

हिचकी रोकने के लिए सांस रोकना, ठंडा पानी पीना और पेपर बैग में सांस लेना जैसे आसान उपाय मददगार साबित हो सकते हैं।

पर अगर हिचकी 48 घंटे से ज्यादा समय तक लगातार बनी रहती है या बहुत तेज़ है, तो यह किसी अंदरूनी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हिचकी के संभावित कारण

- पाचन से जुड़ी वजहें, जैसे बहुत तेज़ी से खाना या पीना।
- गरम और ठंडे खाने को साथ खाना
- कार्बोनेटेड ड्रिंक (सोडा) का अधिक सेवन
- अधिक तीखा या मसालेदार खाना
- पेट में गैस भर जाना
- अचानक तापमान में बदलाव (जैसे बहुत ठंडी चीज खाना)

गुड़ की मदद से घर पर बनाएं ताजगी से भरपूर गन्ने का जूस

गर्मियों में अगर कोई एक ड्रिंक हर किसी की पहली पसंद बन जाती है तो वो है गन्ने का ताजा रस। मीठा, ठंडा और एनर्जी से भरपूर गन्ने का जूस न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है, लेकिन अक्सर हम सोचते हैं कि गन्ने का रस तो सिर्फ जूस वाले ठेले पर ही मिलेगा, घर पर इसे बनाना मुश्किल है।

अगर आप भी ऐसा सोचते हैं, तो अब समय है इसे बदलने का! आज हम आपको बताएंगे एक ऐसी सीक्रेट रेसिपी, जिसमें गुड़ की मदद से आप घर बैठे बिना भारी-भरकम मशीन के भी ताजगी से भरा गन्ने का जूस बना सकते हैं। जानिए कैसे।

क्यों खास है गुड़ के साथ बना गन्ने का जूस?

गुड़ और गन्ना दोनों ही नेचुरल मिठास से भरपूर होते हैं। गुड़ गन्ने के रस से ही बनता है, इसलिए इसका स्वाद गन्ने के रस के बेहद करीब होता है।

गुड़ मिलाने से न सिर्फ जूस का स्वाद और बढ़ता है, बल्कि उसमें हल्की मिट्टी जैसी सोंधी खुशबू भी आती है, जो उसे और भी ताजगीभरा बना देती है। साथ ही, गुड़ मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे जूस का पौष्टिक स्तर भी बढ़ जाता है।

घर पर गन्ने का जूस बनाने के लिए सामग्री

- गुड़ - 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया हुआ या छोटा-छोटा कटा हुआ)
- पानी - 2 कप (ठंडा पानी लें)
- नींबू का रस - 1 छोटा चम्मच
- अदरक - 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ, वैकल्पिक)
- पुदीने की पत्तियां - कुछ (ताजगी के लिए)
- बर्फ के टुकड़े - जरूरत के मुताबिक
- ब्लेंडर या मिक्सर

कैसे बनाएं घर पर सुपरफ्रेश गन्ने का जूस?

- **गुड़ को भिगोएं :** सबसे पहले गुड़ को आधे कप पानी में भिगोकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि वो अच्छी तरह घुल जाए। अगर गुड़ में कुछ अशुद्धियां हों तो पानी को छान लें।
- **सभी सामग्री को मिलाएं :** अब ब्लेंडर में घुला हुआ गुड़, ठंडा पानी, अदरक का रस (अगर डालना चाहें), नींबू का रस और पुदीने की पत्तियां डालें।
- **ब्लेंड करें :** सारी चीजों को ब्लेंडर में 1-2 मिनट के लिए अच्छे से मिक्स करें, ताकि सारी फ्लेवर आपस में मिल जाएं।
- **छानें और सर्व करें :** तैयार जूस को छलनी से छान लें ताकि कोई भी मोटे टुकड़े बाहर निकल जाएं। फिर इसे गिलास में डालें, ऊपर से बर्फ के टुकड़े डालें और पुदीने की पत्तियों से सजाएं।
- **झटपट परोसें :** आपका सुपर टेस्टी, ठंडा और ताजगी से भरपूर गन्ने का जूस तैयार है।

क्यों पिएं घर का बना गन्ने का जूस?

- **नेचुरल डिटॉक्सिफायर :** शरीर से टॉक्सिन्स निकालता है।
- **तुरंत एनर्जी देता है** - गर्मी में थकान मिटाने का सबसे असरदार तरीका।
- **स्किन के लिए फायदेमंद :** गन्ने का जूस त्वचा को ग्लोइंग बनाता है।
- **पेट के लिए अच्छा :** पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है।
- और सबसे बड़ी बात है कि घर पर बना होने की वजह से इसमें कोई मिलावट नहीं होती।

अब आपको गन्ने का रस पीने के लिए जूस वाले ठेले तक जाने की जरूरत नहीं। बस कुछ मिनटों में, गुड़ की मदद से घर पर ही आप बना सकते हैं वो ताजगी से भरा, टेस्टी और हेल्दी गन्ने का जूस जिसे पीकर मन भी खुश हो जाएगा और शरीर भी तरोताजा महसूस करेगा।

पठानकोट के नवनियुक्त प्रभारी रोहित सियाल से मिले स्वर्ण सलारिया, दी बधाई

कश्मीर सिंह वाहला ने दी शुभकामनाएं, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह, आप संगठन को मजबूत करने पर हुई चर्चा, मिशन 2027 पर जोर

» प्रथम न्यूज । पठानकोट

04 जुलाई (ब्यूरो)

सुजानपुर के लिए हाल ही में नियुक्त निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी स्वर्ण सलारिया ने अपने सहयोगियों के साथ पठानकोट पहुंचकर नवनियुक्त निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी रोहित सियाल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने रोहित सियाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा आम जनता के साथ पार्टी की पहुंच बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। आगामी राजनीतिक चुनौतियों और मिशन 2027 को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने और क्षेत्र में जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्वर्ण सलारिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि रोहित सियाल के नेतृत्व में पठानकोट क्षेत्र में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी।

इस मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी दोनों नेताओं का स्वागत किया और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक का माहौल सकारात्मक और उत्साहपूर्ण रहा।

गुरदासपुर के निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी (सेवादार), पूर्व जिला प्रभारी तथा पंजाब सरकार के पीएसआईडीसी निदेशक कश्मीर सिंह वाहला ने भी रोहित सियाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर संगठन को मजबूत करने तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय और टीम भावना से ही पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

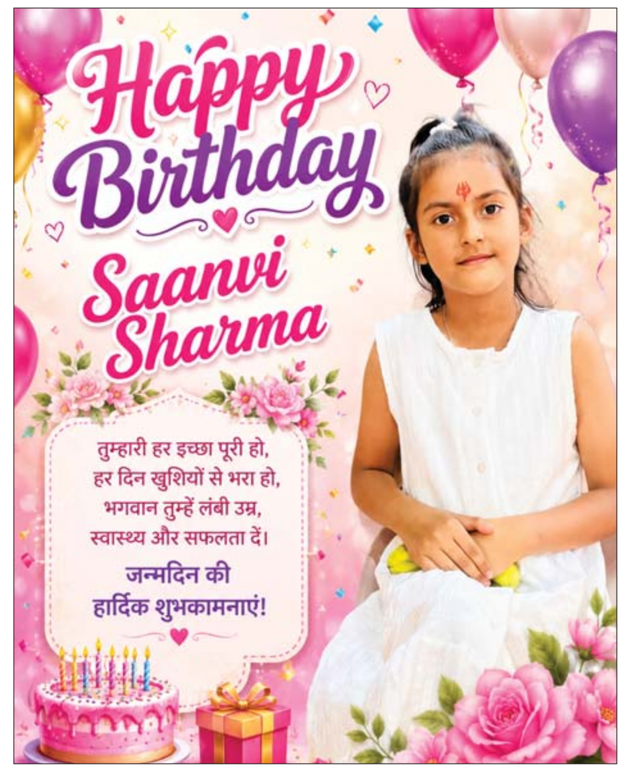

संक्षिप्त न्यूज

बीडीओ कार्यालय पट्टा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पट्टा मेहलोग, 04 जुलाई (तारा) – ग्रामीण विकास में पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए विकास खण्ड कार्यालय पट्टा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने बताया कि यह शिविर निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित हुआ। इस शिविर में ग्राम पंचायत साईं, मंधाला, पट्टानाली और बाड़ियाँ के वार्ड सदस्यों ने भाग लिया।इस दौरान प्रतिनिधियों को वी जी राम जी एप, विकास कार्यों और श्रमिकों की दैनिक हाजिरी ऐप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने व वार्ड सदस्यों को ऐप का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके इलावा पंचायती राज अधिनियम और वार्ड सदस्यों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। नागरिक सेवाएं जन्म-मृत्यु पंजीकरण और विवाह पंजीकरण की कानूनी प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया।

बीडीओ कुलदीप सिंह ने कहा कि वार्ड सदस्य ही गांव के विकास की रीढ़ हैं। उन्हें अपनी भूमिका को जिम्मेदारी से निभाना चाहिए।

एक शाम भगवान शिव के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने पर अरविंद केजरीवाल ने प्रणव धवन को सम्मानित किया

प्रणव धवन ने कहा, अमृतसर के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे

अमृतसर (साहिब दयाल) एक शाम भगवान शिव के नाम कार्यक्रम में समर्पित होकर सफल बनाने में सनातन सेवा समिति माझा जोन के इंचार्ज एवं खत्री अरोड़ा वेल्फेयर बोर्ड के राज्य सदस्य प्रणव धवन से आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विशेष मुलाकात करते हुए उनकी सराहना की। यह प्रणव धवन के लिए गर्व और सम्मान का पल था। सनातन सेवा समिति पंजाब एवं पंजाब सरकार के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अमृतसर उत्तरी के रंजीत एवेन्यू स्थित पाईटेकस ग्राउंड में एक शाम भगवान शिव के नाम नामक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल, पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, पंजाब सरकार के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों विभाग के राजनीतिक सलाहकार दीपक बाली तथा सनातन सेवा समिति पंजाब के इंचार्ज विजय शर्मा और अमृतसर ज़िले के सभी सम्मानित विधायक एवं हल्का इंचार्ज ने शिरकत की थी।

कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर सनातन सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय शर्मा एवं पंजाब सरकार पर्यटन विभाग के राजनीतिक सलाहकार दीपक बाली ने प्रणव धवन की मेहनत और कुशल प्रबंधन की प्रशंसा की। इसी क्रम में उन्हें अरविंद केजरीवाल से मिलवाकर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने प्रणव धवन को भविष्य में भी इसी ऊर्जा और निष्ठा के साथ जनता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रणव धवन ने इस सम्मान और आशीर्वाद के लिए ख़ासतौर पर सनातन सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय शर्मा एवं पंजाब सरकार पर्यटन विभाग के राजनीतिक सलाहकार दीपक बाली का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे अमृतसर के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शुरू हुआ वर्चुअल संवाद कार्यक्रम, शिक्षा व्यवस्था की होगी ऑनलाइन निगरानी - रोहित ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जुलाई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने शनिवार को %वर्चुअल संवाद% कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

हिमाचल स्कूल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा शनिवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर, शिमला में वर्ष 2025-26 के आईएसएफ वर्ल्ड स्कूल चैंपियनशिप, एशियन स्कूल चैंपियनशिप तथा 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों के सम्मान में भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में शिक्षा मंत्री ने वर्चुअल संवाद का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत जिला चंबा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेहला से की गई, जहां शिक्षा मंत्री ने विद्यालय के प्रधानाचार्य से वर्चुअल माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता, रिक्त पदों की स्थिति, विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणाम तथा विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रधानाचार्य ने वर्चुअल माध्यम से विद्यालय की कक्षाओं का भी अवलोकन करवाया। शिक्षा मंत्री ने आश्वस्त किया कि भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत रिक्त शिक्षकों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

रोहित ठाकुर ने कहा कि हाल ही में उनके जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान उन्होंने वहां के शिक्षा विभाग में वर्चुअल निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था देखी। उसी से प्रेरणा लेकर हिमाचल प्रदेश में भी सरकारी विद्यालयों के लिए %वर्चुअल संवाद% कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं सरकार सीधे विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर सकेंगे। इससे विद्यालयों की वास्तविक स्थिति की जानकारी समय पर प्राप्त होगी, विद्यार्थियों से सीधे फीडबैक लिया जा सकेगा तथा शिक्षण व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, विद्यालयों के नियमित निरीक्षण की प्रक्रिया अधिक सरल, प्रभावी और पारदर्शी बनेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनाना है। %वर्चुअल संवाद% कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण और अभिनव कदम साबित होगा।

शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और निदेशक करेंगे संवाद

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए निदेशक स्कूल शिक्षा ने कहा कि अब शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और निदेशक सहित निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी सभी सरकारी स्कूलों में वर्चुअल संवाद पर बल देंगे। उन्होंने कहा कि इससे तुरंत फीडबैक मिलेगा और कभी भी स्कूल प्रधानाचार्य से वर्चुअल संवाद किया जा सकेगा।

ऑनलाइन लाइफ सर्टिफिकेट व्यवस्था की समीक्षा की मांग, पेंशनरों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखा : भूपराम वर्मा

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जुलाई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश पेंशनरज संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश अतिरिक्त महासचिव भूपराम वर्मा ने वक्तय में कहा है कि निदेशक, कोषागार एवं लेखा विभाग हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 01 जुलाई, 2026 को निर्देश जारी कर प्रदेश के सभी जिला कोषाधिकारियों को कहा हैं कि वर्ष 2026-27 के लिए पेंशनर्स लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन के माध्यम से जीवन प्रमाण ऐप या लोक मित्र केंद्र के माध्यम से प्रेषित

अनिवार्य किया है! इस आदेश से भविष्य में पेंशनर लाइफ सर्टिफिकेट केवल ऑनलाइन द्वारा ही जिला कोषागार अधिकारी प्राप्त किए जाएंगे!

वर्मा का कहना है कि यह आदेश स्वागत योग्य है परंतु हिमाचल प्रदेश के अधिकांश क्षेत्र दुर्गम गाँव है और वृद्ध अवस्था में उनको लोकमित्र केंद्र तक जाना आना मुश्किल है और काफी पैनशनरज के पास स्मार्टफोन भी नहीं है!

इसके अलावा जो वृद्ध पेंशनरज दुर्गम, कठिन व पिछड़े क्षेत्र के हैं वहां पर टेलीफोन टावर व नेटवर्क सिग्नल की समस्या भी है। इसके अतिरिक्त जीवन प्रमान एप भी सही काम नहीं कर रहा है और उसमें अपलोडिंग नहीं हो पा रही है जिससे पेंशनरज को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है! वर्मा का कहना है कि लोक मित्र केंद्र इस कार्य के लिए ?100 शुल्क ले रहे हैं जो कि एक अनावश्यक खर्चा बुजुर्गों को करना पड रहा है! इस विषय में प्रदेश अतिरिक्त महासचिव भूपराम वर्मा की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान सचिव (वित्त) दिवेश कुमार और निदेशक विजय वर्धन विशेष सचिव वित्त एवं कोषागार व लेखा हिमाचल प्रदेश को एक पत्र सौप कर इस आदेश की समीक्षा करने का आग्रह किया गया और पुरानी व्यवस्था ऑफलाइन मोड को भी जारी रखा जाए जिसे कठिनाई का सामना ना करना पड़े! उन्होंने इस संबंध में आश्वासन दिया कि सहानुभूतिपूर्वक विचार कर पेंशनर हित में समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश मीडिया प्रभारी सैन राम नेगी और बुधीराम जस्टा,मुख्य सलाहकार भी शामिल रहे।

बद्दी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ट्रक में अवैध रूप से ले जाई जा रही 530 पेटी देसी शराब बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

बद्दी (तारा)- अवैध नशा कारोबार/तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस जिला बद्दी के अंतर्गत पुलिस थाना बरोटीवाला की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हरिपुर रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक नंबर HP12AA-6281 से बिना किसी वैध परमिट अथवा लाइसेंस के परिवहन की जा रही 530 पेटी देसी शराब बरामद की गई। बरामद खेप में 4300 पव्वे (86 पेटी), 6552 अध्धे (273 पेटी) तथा 2052 बोतलें (171 पेटी) शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर ही अवैध शराब तथा ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पुलिस थाना बरोटीवाला में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(a) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उक्त अवैध शराब की खेप कहां से लाई गई थी तथा इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था और इस अवैध शराब तस्करी में अन्य कौन लोग शामिल हैं। बद्दी पुलिस अवैध नशा तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है तथा ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मजबूत नेतृत्व ही मजबूत संगठन की पहचान : कोऑर्डिनेशन कमेटी के लीडरशिप प्रशिक्षण शिविर में कर्मचारियों की एकजुटता, संगठनात्मक मजबूती और व्यावहारिक कार्यशैली पर जोर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

04 जुलाई (पुनीत महाजन)

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एम.सी. इंप्लाइज एंड वर्कर्स, यू.टी. चंडीगढ़ के बैनर तले आज वाटर वर्क्स, सेक्टर-32, चंडीगढ़ में एक दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ट्रेड यूनियन नेतृत्व को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप वैचारिक, संगठनात्मक एवं व्यावहारिक रूप से सशक्त बनाना तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करना था।

शिविर में ज्वाइंट टीचर एसोसिएशन के प्रधान रणवीर कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ट्रेड यूनियन आंदोलन को मजबूत बनाने, नेतृत्व में ईमानदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों, संगठनात्मक अनुशासन तथा दूरदर्शी सोच की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकजुटता, पारदर्शिता और कर्मचारियों के प्रति जवाबदेही होती है तथा मजबूत नेतृत्व ही मजबूत संगठन की पहचान है।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान ट्रेड यूनियनों के समक्ष भविष्य में आने वाली चुनौतियों, नए चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के लागू होने से कर्मचारियों के लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों पर पड़ने वाले प्रभाव, ट्रेड यूनियनों को अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने, बदलते एम्प्लॉयी-एम्प्लॉयर संबंधों, वर्तमान समय में बेहतर वर्क कल्चर विकसित करने तथा रोज़ काम-रोज़ ट्रेड यूनियन की कार्यशैली को अपनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

शिविर में भारतीय कर्मचारी संगठनों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने, नेतृत्व की व्यक्तिगत सोच को ट्रेड यूनियन की सामूहिक विचारधारा के अनुरूप विकसित करने, वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में कर्मचारियों की जायज़ मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा शॉर्टकट की बजाय दूरगामी एवं संगठन आधारित रणनीति अपनाने पर विशेष बल दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान संगठन की मजबूती के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही ईमानदारी, समर्पण, आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक संवाद, आलोचना को सकारात्मक रूप से स्वीकार करने, नेतृत्व में अहंकार से बचने तथा कार्यों के उचित बंटवारे जैसे विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन तभी मजबूत होता है जब प्रत्येक पदाधिकारी और सदस्य अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाए तथा व्यक्तिगत हितों से ऊपर संगठन और कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दे।

शिविर में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह भी तय किया गया कि प्रशिक्षण शिविर में प्राप्त अनुभवों और सिद्धांतों को व्यवहार में लागू करने के लिए प्रत्येक यूनियन में तीन-तीन सदस्यों की एक कार्य समिति (थ्री-मेंबर कमेटी) गठित की जाएगी।

यह समिति अपने-अपने विभागों में जेई, सुपरवाइजर तथा संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें कर कर्मचारियों की दैनिक एवं छोटी-छोटी समस्याओं पर चर्चा करेगी और उनका मौके पर ही समाधान करवाने का प्रयास करेगी।

इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना, अनावश्यक विवादों को कम करना तथा ट्रेड यूनियन की भूमिका को केवल आंदोलनों तक सीमित न रखकर कर्मचारियों की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान में भी प्रभावी बनाना है।

शिविर में यह भी संकल्प लिया गया कि कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं, समान कार्य के लिए समान वेतन, नौकरी की सुरक्षा तथा श्रमिक हितों से जुड़े सभी मुद्दों पर कोऑर्डिनेशन कमेटी और अधिक संगठित, अनुशासित एवं प्रभावी ढंग से संघर्ष करेगी। साथ ही संगठन के विस्तार, नए कर्मचारियों को ट्रेड यूनियन आंदोलन से जोड़ने तथा संगठनात्मक एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

सभी प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण शिविर को अत्यंत उपयोगी बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण भविष्य में संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए नेतृत्व को नई दिशा प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर ज्वाइंट टीचर एसोसिएशन के प्रधान एवं मुख्य वक्ता रणवीर कुमार के अतिरिक्त सतिंदर सिंह, राकेश कुमार, सुरेश कुमार, रघुबीर चंद,रजिंदर कुमार, अन्नू कुमार, नरेश कुमार, राम दुलार, राजेंद्रन, , किशोरी लाल, अमित लाल, सुखविंदर सिंह, प्रेमपाल, बलविंदर सिंह, शाम लाल, भोला सिंह, कुलदीप सिंह, हरदीप सिंह, राम रतन, राहुल वैध, सिलेंद्र सिंह, दीपक धीमान, रोहित कुमार सहित विभिन्न विभागों एवं यूनियनों के अनेक पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हरियाणा में पर्यटन क्रांतिः यादविन्द्रा गार्डन और टिक्करताल के विकास पर खर्च होंगे 90 करोड़

पिंजौर-मोरनी बनेंगे विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र, होटल से हेलिपैड तक मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं, पर्यटन को नई उड़ानः वेडिंग डेस्टिनेशन, एडवेंचर पार्क और बोटिंग से सजेगा हरियाणा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

04 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा सरकार ने राज्य को देश के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में पिंजौर स्थित ऐतिहासिक यादविन्द्रा गार्डन और मोरनी हिल्स के प्रसिद्ध टिक्करताल को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 90 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सरकार का मानना है कि इन दोनों स्थलों के आधुनिकीकरण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वेड इन इंडिया' विजन के अनुरूप यादविन्द्रा गार्डन के निकट आधुनिक सुविधाओं से युक्त वन स्टॉप डेस्टिनेशन फॉर वेडिंग विकसित करने को कहा है। यहां कन्वेंशन सेंटर, एग्जीबिशन सेंटर और अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। परियोजना के तहत पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर एक आलीशान होटल का निर्माण भी किया जाएगा। होटल की छत पर अत्याधुनिक हेलिपैड बनाया जाएगा, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और मेहमानों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।

विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि यादविन्द्रा गार्डन की ऐतिहासिक विरासत और मूल स्वरूप को पूरी तरह सुरक्षित रखा जाएगा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां संगीतमय फव्वारे, बटरफ्लाई पार्क, आकर्षक एक्वेरियम और आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था विकसित की जाएगी।

वहीं, टिक्करताल में एडवेंचर पार्क, बोटिंग, हंटेड हाउस सहित विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का व्यापक कायाकल्प किया जाएगा।

सरकार का लक्ष्य टिक्करताल को एडवेंचर पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाना है, ताकि पर्यटकों को रोमांच और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा अनुभव मिल सके।

संक्षिप्त न्यूज

चम्बा जिला के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया

चम्बा (एएम नाथ)- विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया जिला चम्बा के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। विभागीय प्रवक्ता उनके प्रवास की जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा अध्यक्ष 5 जुलाई को 3=30 बजे चलामा पहुंचेंगे और वहाँ आयोजित होने वाले छिंज मेले में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे।

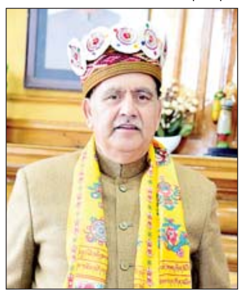

उन्होंने आगामी प्रवास की जानकारी देते हुए बताया कि 7 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 12=30 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेल तथा 3=30 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चूहन की आधारशिला रखेंगे।

HPU ने 2026-27 एडमिशन काउंसलिंग शेड्यूल किया जारी

आठ जुलाई से होगी प्रक्रिया शुरू

शिमला (ब्यूरो)- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड हिमालयन स्टडीज (IIHS) के अंतर्गत संचालित डिपार्टमेंट ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज (DIS) ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

विभाग के अनुसार, एमबीए (रूरल डेवलपमेंट) और एमएफए (पहाड़ी मिनिएचर पेंटिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 8 और 9 जुलाई को संबंधित विभाग में आयोजित की जाएगी। वहीं, पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट (PGDDDM) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 13 जुलाई को आयोजित होगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथि पर अपने सभी आवश्यक मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज साथ लेकर आएं। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। एचपीयू ने अभ्यर्थियों से समय पर काउंसलिंग स्थल पर पहुंचने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी अपील की है।

बंदी सिंहों की रिहाई की मांग पर सरहिंद में रेल रोको आंदोलन, कई ट्रेनें प्रभावित

सरहिंद (ब्यूरो)- सजा पूरी कर चुके और लंबे समय से विभिन्न जेलों में बंद बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को सरहिंद रेलवे स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान रेल यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा, जिससे कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ।

आंदोलन में विभिन्न किसान संगठनों, सामाजिक संगठनों और कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक पर धरना देकर बंदी सिंहों की रिहाई की मांग उठाई। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के सदस्य करनैल सिंह पंजोली, शेर-ए-पंजाब किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरिंदर सिंह भंगू सहित अन्य नेताओं ने कहा कि मोहाली में कौमी इंसाफ मोर्चा लंबे समय से शांतिपूर्ण धरना देकर बंदी सिंहों की रिहाई की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक सरकारों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य और केंद्र सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने और इस मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए सरहिंद रेलवे स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन किया गया। उनका आरोप है कि दोनों सरकारें इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही हैं। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने राज्य अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता (ब्यूरो)- अब तृणमूल कांग्रेस की दिग्गज नेता और ममता बनर्जी की बेहद करीबी मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी शनिवार को पार्टी के राज्य अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। तीन जून को ही उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन मात्र एक महीने के भीतर ही उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस पद के साथ-साथ सभी सांगठनिक जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त कर लिया है।

चंद्रिमा ने न केवल अध्यक्ष पद छोड़ा है, बल्कि पार्टी के बैंक खातों से जुड़े अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की भूमिका और चुनाव आयोग के समक्ष पार्टी का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी से भी अपना नाम वापस ले लिया है।

इस इस्तीफे के पीछे की मुख्य वजह उनके पुत्र सौरव बसु का हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल होना माना जा रहा है। इस्तीफे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चंद्रिमा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी से कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं है, लेकिन जिस तरह से उनके कार्यों और निष्ठा पर सवाल उठाए गए, उसके बाद उनका बने रहना मुश्किल था। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जब विश्वसनीयता ही सवालों के घेरे में हो, तो उस स्थिति में वापसी का कोई प्रश्न नहीं उठता। वहीं, ऋतब्रत बनर्जी ने इस घटनाक्रम पर कटाक्ष करते हुए तृणमूल को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी करार दिया है। ममता खेमे के लिए यह इस्तीफा एक बड़े संकट के रूप में देखा जा रहा है।

अब बांके बिहारी मंदिर की जमीन खरीद पर उठे सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

मंदिर फंड से खरीदी जमीन विवादों में, स्थानीय लोगों ने सौंपा ज्ञापन

वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर फंड पर विवाद, वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

» प्रथम न्यूज । वृंदावन

04 जुलाई (ब्यूरो)

वृंदावन स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर की जमीन खरीद को लेकर नया विवाद सामने आया है। मंदिर फंड से प्रस्तावित विकास कार्यों के लिए खरीदी गई जमीन में कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद स्थानीय लोगों ने स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस संबंध में शनिवार को मंदिर के कार्यों की निगरानी करने वाली हाई-पावर कमेटी के गोस्वामी सदस्यों को ज्ञापन सौंपा गया।

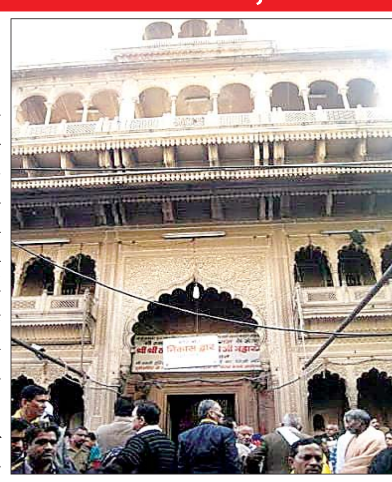

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कुछ संपत्तियों की खरीद में कीमतों को लेकर गड़बड़ियां हुई हैं। एक ही मूल संपत्ति के अलग-अलग हिस्सों के लिए प्रति वर्ग मीटर दरों में बड़ा अंतर पाया गया है। इसके अलावा सड़क की चौड़ाई से जुड़े रिकॉर्ड में विसंगतियां, विवादित जमीन की खरीद और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध न कराने जैसे मुद्दे भी उठाए गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि पूरी खरीद प्रक्रिया की पारदर्शी जांच चाहते हैं। उन्होंने मांग की है कि किसी स्वतंत्र और सक्षम एजेंसी से मूल्यांकन रिपोर्ट, भुगतान रिकॉर्ड, उप-समिति की कार्यवाही, मंजूरी संबंधी दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड की जांच कराई जाए। हाई-पावर कमेटी के एक गोस्वामी सदस्य ने भी आरोपों को गंभीर बताते हुए मामले की जांच की आवश्यकता पर जोर दिया है।

बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी के आरोपों पर BKTC का एक्शन

जांच समिति गठित, 3 दिन में आएगा जबाव

» प्रथम न्यूज । देहरादून

04 जुलाई (ब्यूरो)

उत्तराखंड के प्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला चर्चा में है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई शिकायतों और देहरादून के धार्मिक संगठन भैरव सेना के शिकायती पत्र के बाद मामले में अब सख्ती दिख रही है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने इस मामले में संज्ञान लिया है। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि सोशल मीडिया में बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी के संबंध में जो आरोप लगाए गए हैं, उन्हें मंदिर समिति ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच के लिए जांच के लिए एक समिति का गठन भी किया गया है। जिसमें तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं दान से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज भी सील कर दिए गए हैं। अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मामले में स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर दान में हेराफेरी को लेकर जो खबरें सामने आई हैं। उस पर सख्त एक्शन लिया गया है। मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने चढ़ावा चोरी की गिनती करने वाले सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। जबकि एक जांच समिति का गठन भी किया गया है। यह समिति अपनी जांच करेगी और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपेगी, जिसे सार्वजनिक भी किया जाएगा।

हेमंत द्विवेदी ने कहा कि यह एक बहुत संवेदनशील मामला है और हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं, क्योंकि लाखों लोगों की इस पवित्र तीर्थ स्थल में गहरी आस्था है। सभी जरूरी कदम 24 घंटे के भीतर ही उठा लिए गए थे। इस मामले में जांच समिति का गठन किया गया। अगर कोई भी आरोपी साबित होता है तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के जन्मदिन कार्यक्रम में पार्षदों के बीच धक्का-मुक्की

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

04 जुलाई (ब्यूरो)

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के जन्मदिन पर आयोजित केक कटिंग कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद के कुछ पार्षदों के बीच विवाद हो गया। बैठक समाप्त होने के बाद शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते धक्का-मुक्की में बदल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, जिला परिषद की बैठक करीब 6.30 करोड़ रुपये की विकास ग्रांट के वितरण को लेकर आयोजित की गई थी। बैठक समाप्त होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिन के अवसर पर केक काटने का कार्यक्रम रखा गया। इसी दौरान मंच के सामने खड़े होने को लेकर दो पार्षदों के बीच विवाद शुरू हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कहासुनी कुछ ही देर में धक्का-मुक्की में बदल गई। वायरल वीडियो में एक पार्षद दूसरे को धक्का देते हुए दिखाई दे रहा है। मौके पर मौजूद अन्य पार्षदों और लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया, जिसके बाद कार्यक्रम सामान्य रूप से आगे बढ़ा।

जिला प्रमुख मनोज यादव ने बताया कि विवाद केवल आगे-पीछे खड़े होने को लेकर हुआ था, जिसे मौके पर ही सुलझा लिया गया।

वहीं, प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, विकास ग्रांट के वितरण को लेकर कुछ पार्षद पहले से असंतुष्ट थे। माना जा रहा है कि यही नाराजगी कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद के रूप में सामने आई।

हालांकि, इस मामले में विवाद के वास्तविक कारणों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

धर्मशाला में बनेगा हिमाचल का पहला रिमोट सेंसिंग केंद्र

सरकार कृषि विभाग को पूरी तरह हाईटेक बनाने के लिए प्रतिबद्ध : चंद्र कुमार चौधरी

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला

04 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य का पहला रिमोट सेंसिंग एवं डेमोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम केंद्र धर्मशाला में स्थापित किया जाएगा। करीब 19 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना केंद्र सरकार के सहयोग से विकसित की जाएगी।

यह केंद्र कृषि विभाग को मौसम, भूमि, फसल और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से उपलब्ध कराएगा। साथ ही, वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों को भी आवश्यक डिजिटल डेटा उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे विकास योजनाओं की बेहतर योजना और प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो सकेगा। परियोजना के लिए भूमि संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। यह हिमाचल प्रदेश का पहला रिमोट सेंसिंग केंद्र होगा, जिससे कृषि विभाग की कार्यप्रणाली अधिक वैज्ञानिक, तकनीक आधारित और प्रभावी बनेगी। इस प्रणाली के माध्यम से कृषि विभाग मौसम संबंधी जानकारी, फसलों की स्थिति, भूमि उपयोग और अन्य आवश्यक आंकड़े स्वयं एकत्र कर सकेगा।

इससे किसानों को समय पर वैज्ञानिक सलाह उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में त्वरित निर्णय लेने में भी मदद मिलेगी। विभिन्न विभागों के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था मजबूत होने से योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गति आएगी।

कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि विभाग को पूरी तरह हाईटेक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि रिमोट सेंसिंग केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों को आधुनिक कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य आवश्यक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि परियोजना का संचालन पूरी दक्षता और प्रभावशीलता के साथ किया जा सके।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए लगाए गए फर्जी फर्स्ट एड सर्टिफिकेट का खुलासा

हरियाणा रेडक्रॉस ने जांच के दिए निर्देश

पंचकूला (पुनीत महाजन)- हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए जमा किए गए बेसिक रोड सेफ्टी एवं फर्स्ट एड सर्टिफिकेट में कथित फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। मामले के सामने आने के बाद रेडक्रॉस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिला सचिवों को ऐसे प्रमाणपत्रों की जांच के निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार, फर्जी प्रमाणपत्रों का मामला तब सामने आया जब जिला रेडक्रॉस सोसायटी, पंचकूला की टीम ने कालका एसडीएम कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस आवेदनों के साथ जमा किए गए प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया। जांच में पाया गया कि कुछ फर्स्ट एड सर्टिफिकेट अधिकृत प्रक्रिया के तहत जारी नहीं किए गए थे और उनका विभागीय रिकॉर्ड से कोई मेल नहीं था। जिला प्रशिक्षण अधिकारी (DTO) ईशांक कौशिक ने जांच रिपोर्ट जिला सचिव को सौंपी। इसके बाद रिपोर्ट मुख्यालय भेजी गई, जिस पर हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने संज्ञान लेते हुए सभी जिला रेडक्रॉस सचिवों को अपने-अपने जिलों में प्रमाणपत्रों का सत्यापन करने के निर्देश दिए।

चार प्रमाणपत्र जांच में फर्जी पाए गए

रेडक्रॉस टीम ने 23 जून 2026 को कालका एसडीएम कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस आवेदनों के साथ संलग्न रोड सेफ्टी और फर्स्ट एड प्रमाणपत्रों का विभागीय रिकॉर्ड से मिलान किया। इस दौरान ललित, संभावी सिंगला, दीपक कुमार और गौरव शर्मा के नाम से जमा किए गए चार प्रमाणपत्र कथित रूप से फर्जी पाए गए।

निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, ये प्रमाणपत्र कथित रूप से ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी कार्य करने वाले फर्जी एजेंटों या दलालों के माध्यम से तैयार कराए गए थे। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित प्रमाणपत्र जिला रेडक्रॉस सोसायटी के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं।

फिलहाल मामले की जांच जारी है और राज्यभर में ऐसे प्रमाणपत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

करसोग की चुराग पंचायत समिति पर भाजपा का कब्जा

» प्रथम न्यूज । करसोग

04 जुलाई (ब्यूरो)

हिमाचल प्रदेश के करसोग विधानसभा क्षेत्र की चुराग पंचायत समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने समिति पर कब्जा जमा लिया है। चुनाव के दौरान सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम तब सामने आया, जब कांग्रेस से जुड़ीं वीना कपूर ने मतदान से पहले भाजपा का दामन थाम लिया और बाद में पंचायत समिति की अध्यक्ष निर्वाचित हो गईं। वहीं, भाजपा समर्थित रोशनी देवी उपाध्यक्ष चुनी गईं।

कांग्रेस छोड़ वीना कपूर बनीं अध्यक्ष

यह चुनाव क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वीना कपूर के चुनाव वाले दिन पार्टी बदलने और उसी दिन अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने को राजनीतिक हलकों में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इसे भाजपा की रणनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने चुनाव से पहले अपने समर्थक सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्थिति को अपने पक्ष में कर लिया। वहीं, कांग्रेस के लिए यह परिणाम बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि जिस नेता पर पार्टी को भरोसा था, उन्होंने मतदान से ठीक पहले पाला बदल लिया।

इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय राजनीतिक समीकरणों और कांग्रेस की संगठनात्मक रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि इसका असर आगामी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों पर भी पड़ सकता है।

अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद वीना कपूर ने कहा कि वह राजनीति से ऊपर उठकर पूरे चुराग क्षेत्र के समान विकास के लिए कार्य करेंगी और सभी सदस्यों को साथ लेकर विकास कार्यों को गति देंगी। वहीं, नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष रोशनी देवी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाना और पंचायत समिति के माध्यम से क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करना होगा।